संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 337
पृष्ठ 8
गुरुवार
29 अगस्त 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मिनी हार्ट अटैक को ना ...

विचार- दो युद्धों के बीच विश्वशांति में ...

खेल- निर्विरोध आईसीसी के अध्यक्ष चुने...

सपा-कांग्रेस में जिन्ना की आत्माः सीएम योगी

अलीगढ़,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अलीगढ़ के कस्बा खैर पहुंचे। यहां गुरुकुल पब्लिक स्कूल में रोजगार मेले का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कृष्णा और रूद्र नाम के बच्चों का अन्न प्राशन किया। यहां टैबलेट, लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण और सात सौ करोड़ से अधिक की लागत के 304 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। सीएम योगी में कहा कि, स्वामी हरिदास, बलदाऊ की भूमि से प्रख्यात जिले में सभा का स्वागत करता हूं। खैर से आपने अनूप प्रधान को विधायक चुना, अब वह सांसद चुने गए हैं। उन्होंने अलीगढ़ और हाथरस की जनता का इसके लिए आभार जताया। सीएम ने कहा, कि विकास के साथ सुरक्षा भी जरूरी है, सुशासन के बिना कुछ भी नहीं है। युवाओं को रोजगार दिए बिना कुछ नहीं। अब देश आगे बढ़ रहा है। सरकार में रोजगार दिए जा रहे हैं। कंपनियां सरकार के साथ मिलकर युवाओं के पास रोजगार देने के लिए जा

रहे हैं। स्मार्ट फ़ोन वितरण किए जा रहे हैं। आजादी के बाद से अलीगढ़ विकास को तड़प रहा था। जाति के नाम पर बांट रहे थे। विकास के नाम पर कुछ नहीं किया। यहां 2014 के पहले ही विकास हो जाता, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। हमने कोई भेदभाव नहीं किया। सबको बिजली, सबको रोजगार दिया। दो करोड़ युवाओं को प्रदेश में रोजगार दिया। सभी कोपानी और सड़क दी। जति के नाम पर नहीं मजहब के नाम पर नहीं। किसी ने जाति नहीं पूछी। मोदी का मंत्र है सबका साथ और सबका विकास। लेकिन अराजकता फैलाने की छूट किसी को नहीं देंगे। बेटियों की सुरक्षा की छूट नहीं देंगे। अगर दुस्साहस किया तो उसका रास्ता सीधे यमराज के पास जाता है। देश को आगे ले जा रहे हैं, विपक्ष अफवाह फैला जा रहा है, अराजकता फैला रहा है, जातियों में बांट रहा है। वीर पुरुषों का अपमान विपक्षियों ने किया, भाजपा ने सम्मान दिया। राजा महेंद्र प्रताप के नाम पर बना विश्वविद्यालय इसका उदाहरण है। सपा के मुखिया बेटी की सुरक्षा पर नहीं बोले, कोलकाता के मामले पर यह लोग दरिंदों का सहयोग करते हैं। अयोध्या और कन्नौज में भी यही हुआ। इनके अंदर जिन्ना की आत्मा घुस गई है। यह भी देश और समाज को बांट रहे हैं। जिन्ना घुट.घुट कर मरा था। हमारा मिशन विकास है।

- देश को बांटने का कर रहे काम
- प्रदेश को दंगा प्रदेश बनाया था
- खैर में मिनी स्टेडियम की घोषणा

इनकी अराजकता और गुंडागर्दी चलने नहीं देंगे। मोदी जी ने अलीगढ़ को डिफेंस कॉरिडोर दिया है। यहां तोप बनेंगीं। यहां राइफल बनेंगीं। ये दुश्मनों का सीना चीर देंगीं।यहां काम शुरू हो गया है। हम रक्षा क्षेत्र में आत्मा निर्भर बन रहे हैं।

सीएम ने कहा, कि सपा और कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश को दंगा प्रदेश बना दिया था। बेटियों और व्यापारियों के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे। सम्मान सबको देंगे। विकास सबको देंगे। मगर किसी को कानून हाथ में नहीं लेने देंगे। हम इनकी संपत्ति छीनगर गरीबों में बांट देंगे। प्रयगराज में हमने यही किया। माफिया की जमीन पर पीएम आवास बना दिए हैं। उज्जवला, आयुष्यान योजनाओं का लोगों को लाभ दिया जा रहा है। बिजली में कोई भेदभाव नहीं है। खेल कोटे में नौकरी दे रहे हैं।

सीएम ने कहा कि ओलंपिक में खेलने वाले राजकुमार पाल को सीधे नौकरी दी है। सीएम ने खैर में मिनी स्टेडियम की घोषणा की। कहा, आज ही इसकी नींव रखी जाएगी। यहां की योजनाओ को तेजी से पूरा किया जा रहा है। सड़कों की मरम्मत को पैसा दिया है। स्वास्थ्य केंद्र, बिजली घर के काम पूरे कर रहे हैं। जब बेटी के साथ छेड़छाड़ होती थी तो वह कहते थे कि लड़के हैं, गलती हो जाती है। अब ऐसा नहीं होगा। बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं होने देंगे। प्रदेश और देश सुरक्षित हाथों में है। विकास तेजी से आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी बोले, उत्तर प्रदेश की प्रगति तेजी हो रही है। अब यह देश विकास में काफी आगे है। इस रफ्तार को थमने मत दीजिये। दंगाई फिर से आएंगे, गुंडा फिर से आएंगे। सपा का ब्रांड आपने कनौज में देखा है। इस अध्याय को फिर से नहीं जुड़ने देना है।

प्रधानमंत्री जनधन योजना महिलाओं और युवाओं को सम्मान देने में सर्वोपरि रही : पीएम मोदी

- पिछले 10 वर्षो में 53.13 करोड़ जन धन खाते खोले गए

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री जनधन योजना के शुभारंभ के 10 साल पूरे हो गए हैं। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री जनधन योजना की 10वीं वर्षगांठ पूरे होने पर खुशी जाहिर की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर किया और लाभार्थियों को बधाई दी। पीएम मोदी ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, "आज हम एक महत्वपूर्ण अवसर मना रहे हैं। जनधन योजना के 10 साल पूरे हुए। सभी लाभार्थियों को बधाई और इस योजना को सफल बनाने के लिए काम करने वाले सभी लोगों को बधाई। जन धन योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और करोड़ों लोगों, विशेषकर महिलाओं, युवाओं और हाशिए पर पड़े समुदायों को सम्मान देने में सर्वोपरि रही है।" इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को

प्रधानमंत्री जनधन योजना के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि पिछले 10 वर्षों में गरीबों के लिए 53.13 करोड़ जन धन खाते खोले गए हैं। इनमें 2.3 लाख करोड़ रुपये जमा हैं। वित्त मंत्री ने कहा, ''हमारा लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के दौरान तीन करोड़ से अधिक पीएमजेडीवाई खाते खोलना है।'' उन्होंने कहा कि पीएमजेडीवाई दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहलों में से एक है। मार्च 2015 में प्रति खाते में औसत बैंक बैलेंस 1,065 रुपये था, जो अब बढ़कर 4,352 रुपये हो गया है। करीब 80 फीसदी खाते सक्रिय हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में 66.6 फीसदी जनधन खाते खोले गए हैं, इनमें से 29.56 करोड़ (55.6 फीसद) महिला खाताधारकों के हैं। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के 10 साल पूरे हो गए हैं। सरकार ने 28 अगस्त 2014 को इस योजना की शुरुआत की थी। जनधन योजना के जरिए सरकार देश के गरीब, वंचित तबके को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ने में कामयाब रही है। इसके साथ साथ ही डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर यानी डीबीटी के माध्यम से सोशल सिक्योरिटी स्कीम्स का भी फायदा सीधे लाभर्थियों तक इसके जरिए पहुंचाया जा रहा है।

मोदी सरकार ने 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर बनाने को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने बुधवार, 28 अगस्त को राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईडीसीपी) के तहत भारत भर में 12 औद्योगिक स्मार्ट शहरों को मंजूरी दे दी। सरकार इसके लिए 28,602 करोड़ का निवेश करने जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नई परियोजनाएं राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईडीसीपी) के तहत आएंगी, जिसमें देश के 10 राज्य शामिल होंगे, जो रणनीतिक रूप से 6 प्रमुख

गलियारों को कवर करता है। औद्योगिक क्षेत्र उत्तराखंड में खुरपिया, पंजाब में राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र में दिघी, केरल में पलक्कड़, यूपी में आगरा और प्रयागराज, बिहार में गया, तेलंगाना में जहीराबाद, आंध्र प्रदेश में ओरवाकल और कोप्पर्थी और राजस्थान में जोधपुर-पाली में स्थित होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन क्षेत्रों में 10 लाख प्रत्यक्ष और 30 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार क्षमता के साथ 1.5 लाख करोड़ रुपये की निवेश क्षमता होने का अनुमान है। बैठक के बाद प्रेस सूचना ब्यूरो के महानिदेशक ने कहा, भारत में जल्द ही स्वर्णिम चतुर्भुज की रीढ़ पर औद्योगिक स्मार्ट शहरों का एक भव्य हार होगा क्योंकि कैबिनेट ने राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत 12 विश्व स्तरीय ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहरों को मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट के अनुसार, 12 औद्योगिक स्मार्ट शहरों के लिए कैबिनेट की मंजूरी वैश्विक विनिर्माण पावरहाउस बनने की दिशा में भारत की यात्रा में एक मील का पत्थर है, जिसमें देश का रणनीतिक ध्यान एकीकृत विकास, टिकाऊ बुनियादी ढांचे और निर्बाध कनेक्टिविटी पर है। नई परियोजनाएं भारत के औद्योगिक परिदृश्य का निर्माण करने और आने वाले वर्षों में देश की आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

कोलकाता रेप-मर्डरः राष्ट्रपति बोलीं-

मैं निराश और डरी हुई हूं, बहुत हो

- ऐसी घटनाओं को भूल जाना समाज की खराब आदत है
- राष्ट्रपति बोलीं- समाज को खुद के अंदर झांककर मुश्किल सवाल पूछने होंगे

> जब छात्र, डॉक्टर और नागरिक कोलकाता में विरोध कर रहे थे, तो दूसरी जगहों पर अपराधी सक्रिय थे।
>
> राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस के 20 दिन बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का पहला बयान आया है। उन्होंने कहा कि मैं घटना को लेकर निराश और डरी हुई हूं। अब बहुत हो चुका। समाज को ऐसी घटनाओं को भूलने की खराब आदत है। राष्ट्रपति मुर्मू ने मंगलवार (27 अगस्त) को 'विमेंस सेफ्टीः इनफ इज इनफ' नाम के एक आर्टिकल को लेकर PTI के एडिटर्स से चर्चा में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि कोई भी सभ्य समाज अपनी बेटियों और बहनों पर इस तरह की अत्याचारों की इजाजत नहीं दे सकता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 8-9 अगस्त की रात 31 साल की ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। उनका शव सेमिनार हॉल में मिला था। उनकी गर्दन टूटी थी। मुंह, आंखों और प्राइवेट पार्ट्स से खून बह रहा था। राष्ट्रपति ने लिखा- कोलकाता में हुई डॉक्टर के रेप और मर्डर की घटना से देश सकते में है। जब मैंने इसके बारे में सुना तो मैं निराश और भयभीत हुई। ज्यादा दुखद बात यह है कि यह घटना अकेली घटना नहीं है। यह महिलाओं के खिलाफ अपराध का एक हिस्सा है। जब स्टूडेंट्स, डॉक्टर्स और नागरिक कोलकाता में प्रोटेस्ट कर रहे थे, तो अपराधी दूसरी जगहों पर शिकार खोज रहे थे। विक्टिम में किंडरगार्टन की बच्चियां तक शामिल थीं। कोई भी सभ्य समाज अपनी बेटियों और बहनों पर इस तरह की अत्याचारों की इजाजत नहीं दे सकता। देश के लोगों का गुस्सा जायज है, मैं भी गुस्से में हूं। पिछले साल महिला दिवस के मौके पर मैंने एक न्यूजपेपर आर्टिकल के जरिए अपने विचार और उम्मीदें साझा की थीं। महिलाओं को सशक्त करने की हमारी पिछली उपलब्धियों को लेकर मैं सकारात्मक हूं। मैं खुद को भारत में महिला सशक्तिकरण की इस शानदार यात्रा का एक उदाहरण मानती हूं। लेकिन, जब भी मैं देश के किसी कोने में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के बारे में सुनती हूं तो मुझे गहरी पीड़ा होती है। पिछले साल महिला दिवस के मौके पर मैंने एक न्यूजपेपर आर्टिकल के जरिए अपने विचार और उम्मीदें साझा की थीं। महिलाओं को सशक्त करने की हमारी पिछली उपलब्धियों को लेकर मैं सकारात्मक हूं। मैं खुद को भारत में महिला सशक्तिकरण की इस शानदार यात्रा का एक उदाहरण मानती हूं। लेकिन, जब भी मैं देश के किसी कोने में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के बारे में सुनती हूं तो मुझे गहरी पीड़ा होती है। मैंने रक्षाबंधन पर स्कूल के बच्चों से मुलाकात की थी। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या हम उन्हें भरोसा दिला सकते हैं कि निर्भया जैसे केस अब नहीं होंगे। मैंने उन्हें बताया कि हर नागरिक की रक्षा करना राष्ट्र की जिम्मेदारी है, लेकिन साथ ही सेल्फ-डिफेंस और मार्शल आर्ट्स में ट्रेनिंग लेना सभी के लिए जरूरी है, खासतौर से लड़कियों के लिए, ताकि वे और ताकतवर हो सकें।

राऊज कोचिंग में फिलहाल नहीं चल सकेंगी क्लास, कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। ओल्ड राजिंदर नगर में राऊ के राऊज स्टडी सर्कल के बाढ़ वाले बेसमेंट में तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों के डूबने के एक महीने बाद, दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को कोचिंग सेंटर के सीईओ द्वारा दायर एक आवेदन को खारिज कर दिया, जिसमें इमारत तक पहुंच का अनुरोध किया गया था। पिछले हफ्ते, अभिषेक गुप्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील रेबेका जॉन ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निशांत गर्ग की अदालत को सूचित किया कि वह इमारत तक पहुंच चाहते हैं ताकि छात्र पढ़ाई जारी रख सकें।

जॉन ने यह भी तर्क दिया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इमारत को सील नहीं कर सकती क्योंकि यह अन्य नागरिक अधिकारियों की जिम्मेदारी थी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निशांत गर्ग ने कहा कि आवेदन खारिज कर दिया गया। न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से पेश हुए वकीलों की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित की जाने वाली सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की 27 जुलाई को कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने के कारण डूबने से मौत हो गई थी। इमारत को बाद में सील कर दिया गया था। याचिकाकर्ता ने राहत देने का अनुरोध करते हुए कहा था कि कक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए परिसर का उपयोग करने की आवश्यकता है।

भाजपा ने किया बंगाल बंद का आह्वान, प्रमुख एयरलाइनों ने जारी किया अलर्ट

जयगाव, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी द्वारा बुलाए गए बंगाल बंद के विरोध प्रदर्शन का असर राज्य में बुधवार को साफ नजर आ रहा है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले राज्य में आज प्रमुख एयरलाइनों ने परिवहन और यातायात व्यवधानों पर अलर्ट जारी करते हुए यात्रियों से सड़क की स्थिति और अपनी उड़ानों पर नजर रखने को कहा है। बीते मंगलवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता उग्र हो गए जिसके बाद पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। 27 अगस्त को श्नबन्ना अभिजनश रैली के दौरान पश्चिम बंगाल में उग्र विरोध प्रदर्शन हुए, जब हजारों छात्र कोलकाता की सड़कों पर उतरे और आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल मेंएक डॉक्टर के साथ क्रूर बलात्कार और हत्या को लेकर ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करते हुए नबन्ना (सचिवालय) की ओर मार्च किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछारें और आंसू गैस का इस्तेमाल किया और लाठीचार्ज भी किया। 100 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत मेंलिया गया। पुलिस की इस जबरदस्ती की भाजपा नेआलोचना की है और आज पश्चिम बंगाल बंद का आह्वान किया है। भाजपा ने कहा कि उसने छात्र प्रदर्शनकारियों को नैतिक समर्थन दिया है। भाजपा ने आज सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे के बीच 12 घंटे के बंद की घोषणा की है। ऐसे में आज विरोध प्रदर्शन को देखते हुए राज्य में मेट्रो, रेल और विमान सेवाएं रोकी गई है। वहीं, स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश दिया गया है।

राहुल ने गुजरात में बाढ़ की स्थिति पर जताई चिंता

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुजरात में बाढ़ की बिगड़ रही स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने बुधवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से पीड़ितों की मदद करने का आग्रह करते हुए सरकार से राहत तथा पुनर्निर्माण का कार्य तेज करने की अपील की, ताकि पीड़ितों के जख्मों को कुछ कम किया जा सके। श्री गांधी ने कहा, "गुजरात में बाढ़ की स्थिति दिन प्रतिदिन और भयंकर होती जा रही है। इस आपदा में जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, जिनकी संपत्ति का नुकसान हुआ है, उनके प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं।

शिवाजी की मूर्ति टूटने पर भड़के उद्धव ठाकरे, विरोध मार्च निकालने का किया ऐलान

मुंबई, एजेंसी। राजकोट किले में 35 फुट ऊंची शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने को लेकर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की। ठाकरे ने कहा कि विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) एक सितंबर को मुंबई में मूर्ति ढहने के खिलाफ विरोध मार्च निकालेगी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के मंत्री दीपक केसरकर पर यह कहने के लिए निशाना साधा कि शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने से कुछ अच्छा हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह दावा करना कि मालवन किले में शिवाजी महाराज की मूर्ति हवा के कारण गिर गई, बेशर्मी की पराकाष्ठा है। पिछले साल 4 दिसंबर को सिंधुदुर्ग के राजकोट किले में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अनावरण की गई 17वीं शताब्दी के मराठा साम्राज्य के संस्थापक की 35 फुट की मूर्ति सोमवार दोपहर को ढह गई।

प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चला है कि सिंधुदुर्ग जिले में पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण मूर्ति ढह गई थी, जिसके बाद विपक्षी दलों ने काम की खराब गुणवत्ता और मूर्ति के रखरखाव के लिए महाराष्ट्र सरकार पर हमला किया।

जम्मू-कश्मीर चुनावः महबूबा मुफ्ती विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने 17 सीटों पर प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इससे पहले 22 अगस्त को 8 उम्मीदवारों की सूची जारी की गई थी। इसमें पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा का नाम भी था। दूसरी लिस्ट जारी होने के कुछ देर बाद महबूबा ने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया। महबूबा इस साल हुए लोकसभा चुनाव में अनंतनाग से मैदान में थीं, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर को पहले चरण की वोटिंग होगी। 27 अगस्त को नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि थी। चुनाव आयोग के मुताबिक, सात जिलों के 24 विधानसभा क्षेत्रों में 279

उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। अनंतनाग जिले में कुल 72 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया है। इसके बाद पुलवामा जिले में 55, डोडा जिले में 41, किश्तवाड़ में 32, शोपियां में 28, कुलगाम में 28, जबकि रामबन में 23 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। चुनाव आयोग ने बुधवार को जेल में बंद सर्जन बरकती, डॉ. अब्दुल बारी और 24 अन्य उम्मीदवारों के नामांकन फॉर्म खारिज किए हैं। पहले चरण के चुनाव में 23.27 लाख से अधिक मतदाता वोट डालेंगे। जिनमें से 11.76 लाख पुरुष मतदाता और 11.51 लाख महिला मतदाता हैं, साथ ही 60 थर्ड जेंडर वोटर्स हैं। जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों के लिए 18 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच 3 चरणों में मतदान होंगे। नतीजे 4 अक्टूबर 2024 को आएंगे। सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 46 है।

मदरसे में छाप रहे थे 100-100 के नकली नोट

प्रयागराज में मौलवी ने ठिकाने का कराया इंतजाम, एक लाख की जाली करेंसी मिली

प्रयागराज। यूपी में प्रयागराज के एक मदरसे में 100–100 के जाली नोट छप रहे थे। एक लाख की फेक करेंसी बरामद की गई है। 4 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। इनमें एक ओडिशा का रहने वाला है।

गिरफ्तार आरोपियों में मदरसे का मौलवी मोहम्मद तफसीरूल भी शामिल है। डीसीपी सिटी दीपक भूकर ने बताया– थाना सिविल लाइन की पुलिस ने नकली नोट बनाने वाली गैंग का खुलासा किया है। पूरा मामला अतरसुईया थाने के अतरसुईया का है।

मशीन में फंसे मिले जाली नोट

डीसीपी ने बताया– पूरी गैंग का मास्टरमाइंड मदरसे का मौलवी है। मुखबिर ने हमें सटीक सूचना दी थी कि मदरसे में संदिग्ध एक्टिविटी है। यहां बाहरी लोगों का आना–जाना है। इसके बाद हमने जांच तेज की। क्योंकि मदरसे से जुड़ा मामला था, इसलिए पूरी सावधानी बरती गई।

जब हमें कन्फर्म हो गया कि वाकई में मदरसे में कुछ गलत हो रहा है, तब यहां रेड की गई। इस दौरान हमें वहां प्रिंटिंग मशीन में नोट छापते हुए तीन लोग मिले। पूछताछ में उन्होंने मदरसे के प्रिंसिपल की संलिप्तता कबूल की। इसके बाद प्रिंसिपल को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

दो आरोपियों की उम्र 18 साल

आरोपियों में प्रयागराज के कौली थाना क्षेत्र के अंधीपुर रोड गौसनगर का रहने वाला मो. अफजल (18) पुत्र मोईद अहमद और मोहम्मद साहिद (18) पुत्र अब्दुल गफ्फार गिरफ्तार किए गए हैं। इसके अलावा उड़ीसा का जाहिर खान उर्फ अब्दुल जाहिर पुत्र साजिद खान (23) और अतरसुईया थाना का रहने वाला अतरसुईया मोहम्मद तफसीरूल (25) आरीफीन पुत्र आशिकुल रहमान पकड़ा गया है।

जेब से मिलीं नकली नोटों की गड्डियां

छापेमारी के दौरान मोहम्मद अफजल के कुर्ते की बाईं जेब से 100–100 के नोट की दो गड्डियां बरामद की गई हैं। इसी तरह मोहम्मद साहिद के पैंट की जेब से नोट बरामद हुए।

मदरसे की छुट्टी के बाद छापे जाते थे नोट

पुलिस इन्वेस्टिगेशन में पता चला कि ओडिशा का जाहिर खान नकली नोट बनाने में माहिर है। मदरसे में उसे अलग से एक कमरा दिया गया था। बच्चों की छुट्टी के बाद वह प्रिंटिंग मशीन से नोट छापता था। इसके बाद नोटों की सफाई और कटिंग की जाती थी।

इस काम में अफजल उसका साथ देता था। मदरसे में करीब 3 महीने से नकली नोट छापे जा रहे थे। इस काम में जाहिर ने ओडिशा के भद्रक में रहने वाले अपने भाई से मदद ली थी। उसका भाई पहले प्रयागराज में आधार कार्ड बनाने का काम करता था। उसने ही स्कैनर और प्रिंटिंग मशीन लाकर दी थी।

इलाके की बाजार में ट्रायल करते थे आरोपी

पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि ये लोग नोट छापने के बाद प्रयागराज की मार्केट में इसका ट्रायल करते थे। इन्होंने अतरमुईया, कीडगंज, खुल्दाबाद क्षेत्रों में ये नोट चलाए हैं। आरोपियों ने बताया कि 100 का नोट आसानी से चल जाता है। इसलिए यह लोग इसे छापते थे।

लोगों बेचते थे 100 रुपए में 3 नोट

आरोपियों ने बताया कि मदरसे का मौलवी तफसीरूल की शह पर नकली नोट बनाने का धंधा चल रहा था। युवा लड़कों को टारगेट बनाया जाता था। उन्हें 100 रुपए के असली नोट के एवज में 3 नकली नोट दिए जाते थे। इस तरह पूरा सिंडिकेट काम कर रहा था।

डीसीपी सिटी दीपक भूकर ने बताया– पूरे मामले में जांच पड़ताल की जा रही है। सिंडिकेट में और भी लोग शामिल हो सकते हैं। इन्होंने अब तक कहां–कहां नोटों की सप्लाई की है? यह पता लगाया जा रहा है। उड़ीसा से आए युवक के बैकग्राउंड को खंगाला जा रहा है।

पीसीएस-जेमुख्य परीक्षा में गड़बड़ी मामले में आज सुनवाई

इलाहाबाद हाईकोर्ट की दो जजों की बेंच करेगी सुनवाई, अयोग ने दाखिल किया है हलफनामा

प्रयागराज। पीसीएस–जे मुख्य परीक्षा 2022 के परिणाम में गड़बड़ी के मामले पर दाखिल याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट बुधवार को सुनवाई होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एसडी सिंह तथा न्यायमूर्ति अनीस कुमार गुप्ता की खंडपीठ मामले की सुनवाई कर रही है। परीक्षा परिणाम में गड़बड़ियों को लेकर हाईकोर्ट ने काफी नाराजगी जताते हुए लोक सेवा आयोग से जवाब मांगा था। आयोग ने इस मामले में दूसरी बार हलफनामा दाखिल किया है। मामले की सुनवाई 13 अगस्त को होनी थी लेकिन टल गई थी। अब बुधवार को अदालत इस मामले पर सुनवाई करेगी।

इससे पहले 19 जुलाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई थी। तब 3 घंटे तक सुनवाई चली थी। कोर्ट ने परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर जानकारी ली थी। साथ ही मामले में हुई कार्रवाई और आगे होने वाली जांच आदि के विषय में पूछा था। हालांकि कोर्ट ने अधिकारियों को आदेश दिया था कि हर बिंदु को लेकर रिपोर्ट दाखिल करें।

श्रवण पांडेय की याचिका पर चल रही सुनवाई

याचिकाकर्ता श्रवण पांडेय की रिट पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एसडी सिंह तथा न्यायमूर्ति अनीस कुमार गुप्ता की खंडपीठ मामले की हियरिंग की। उससे पहले दो जुलाई को हुई सुनवाई में कोर्ट ने आयोग से हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया था।

पीसीएस–जे मुख्य परीक्षा 2022 के परिणाम में गड़बड़ी के इस अहम मामले पर लोक सेवा आयोग ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपनी गलती स्वीकार की थी। परिणाम में गड़बड़ी की बात स्वीकार करते हुए 3 अगस्त तक नए सिरे से परिणाम घोषित करने का हलफनामा दाखिल करने को कहा था। यह बात कोर्ट में उप सचिव की ओर से कही गई थी।

इस मामले में अब तक क्या हुआया

अधिवक्ता विभु राय ने बताया कि आयोग के उप सचिव के हलफनामे में स्वीकार किया गया है कि कॉपियों में इंटरमिक्सिंग हुई है। लगभग ऐसे 50 अभ्यार्थियों के परिणाम में इंटरमिक्सिंग का पता चला है। इनके परिणाम फिर से जारी किए जाएंगे। कोर्ट ने उप सचिव के हलफनामे को संतोषजनक नहीं माना और चेयरमैन को चार बिंदुओं पर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिए हैं।

कोर्ट ने पूछा–कितने अभ्यर्थियों का परिणाम सही नहीं है। यदि फिर से इनके परिणाम तैयार होंगे तो कितने लोग बाहर होंगे। चयन से बाहर जाने व अंदर आने वालों के लिए क्या प्रक्रिया अपनायी जाएगी।

कोर्ट ने 3 अगस्त की टाइमलाइन को सही नहीं माना और कहा कि पहले कार्यवाही पूरी की जाए। इससे पहले कोर्ट ने लोक सेवा आयोग को अभ्यर्थियों की सभी 6 प्रश्न पत्रों की उत्तर पुस्तिकाएं कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने का आदेश दिया था।

याची श्रवण पांडेय अभ्यर्थी ने आरोप लगाया है कि उसकी अंग्रेजी विषय की उत्तर पुस्तिका में हैंडराइटिंग बदली हुई है। एक अन्य उत्तर पुस्तिका के कुछ पन्ने फाड़े गए हैं। इसकी वजह से वह मुख्य परीक्षा में सफल नहीं हो पाया।

सामने आया गड़बड़ी का खेल, हुआ हंगामा

याची का कहना था कि वह 2022 पीसीएस जे मुख्य परीक्षा में शामिल हुआ। इसका परिणाम 30 अगस्त 2023 को जारी किया गया। याची को मुख्य परीक्षा में जो भी अंक मिले थे, उससे वह संतुष्ट नहीं था।

उसने आरटीआई के तहत आयोग से जानकारी मांगी तो उसे 6 प्रश्न पत्रों में मिले प्राप्तांक की जानकारी मिली। पता चला की अंग्रेजी प्रश्न पत्र में उसे 200 में से मात्र 47 अंक मिले हैं। इससे असंतुष्ट होकर उसने आरटीआई के तहत 6 प्रश्न पत्रों की उत्तर पुस्तिकाएं दिखाने की मांग की।

उत्तर पुस्तिकाएं देखने पर पता चला की अंग्रेजी विषय की उत्तर पुस्तिका में उसकी हैंडराइटिंग नहीं है, जो कि उसने अन्य प्रश्न पत्रों में लिखी है। साथ ही हिंदी की उत्तर पुस्तिका के तीन चार पन्ने फटे हुए पाए गए।

इस पर कोर्ट ने लोक सेवा आयोग को निर्देश दिया है कि याची की सभी 6 उत्तर पुस्तिकाओं को अदालत के सामने प्रस्तुत किया जाए। ताकि उसका मिलान करके यह पता लगाया जा सके की अंग्रेजी की उत्तर पुस्तिका में याची की हैंडराइटिंग है या नहीं। अब आयोग ने परिणाम के इंटरमिक्सिंग की बात स्वीकार कर दुरूस्त करने का हलफनामा दाखिल किया है।

2 साल की मैटरनिटी लीव की अनिवार्यता गलत

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बीएसए रामपुर का आदेश रद्द किया, छुट्टी देने से इनकार को गलत बताया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मैटरनिटी लीव के लिए दो वर्ष गैप की अनिवार्यता को आधार बनाकर छुट्टी देने से इनकार करने के बीएसए रामपुर के आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने आदेश रद्द कर याची को 180 दिन का मातृत्व अवकाश देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने इस पीरियड का वेतन देने का भी निर्देश दिया है। यह आदेश जस्टिस प्रकाश पाड़िया ने कुशल राणा की याचिका पर सुनवाई के बाद पारित किया है। याचिका दायर कर बीएसए रामपुर के उस आदेश दिनांक 9 अगस्त 2024 को चुनौती दी गई थी, जिसके द्वारा याची के मातृत्व अवकाश को दो वर्ष पीरियड की अनिवार्यता के आधार पर खारिज कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि यह मुद्दा हाईकोर्ट ने पहले ही तय कर दिया है। इस कारण दो वर्ष की अनिवार्यता को आधार बनाकर मैटरनिटी लीव देने से इंकार करना गलत है।

प्रयागराज में ट्रेन की चपेट में आई किशोरी

हादसे में मौके पर हुई मौत, पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा शव

प्रयागराज। प्रयागराज में ट्रेन की चपेट में आने से एक किशोरी की मौत हो गई। घटना मांडा थाना क्षेत्र के दीघीया गांव की है। मामले को लेकर पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मांडा थाना क्षेत्र के दीघीया गांव निवासी मानसी (12) आज दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग को पार करने के लिए ट्रैक के बगल खड़ी थी। तभी गुजर रही ट्रेन की चपेट मे आने से किशोरी की मौत हो गई।जानकारी पर रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुचे। ग्रामीणों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। मामले में दरोगा सदानंद यादव का कहना है कि ग्रामीण नवल ने बताया– रेल पटरी के बगल कुछ बकरियां चारा खा रही थी। हल्की बरसात के करण किशोरी छाता ले रखी थी। ट्रेन की हवा के कारण बैलेंस बिगड़ा। जिससे वह ट्रेन से टकरा गई। जिससे उसकी मौत हो गई।

अपॉइंटमेंट का झांसा और बीएसएनएल अफसर का सैलरी एकाउंट खाली

प्रयागराज में साइबर ठगों ने एसडीओ को लगाई 3.99 लाख की चपत

प्रयागराज। प्रयागराज में साइबर ठगी के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। साइबर क्रिमनल अफसरों को अपना शिकार बना रहे हैं। प्रयागराज में बीएसएनएल के एसडीओ को यूपीआई के जरिए 3.99 लाख की चपत लगा दी गई। साइबर शातिरों ने ठगी भी अलग अंदाज में की और एसडीओ को सैलरी अकाउंट खाली कर दिया। एक डॉक्टर से ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेने की कोशिश भर में साइबर ठगों को उनके संपर्क करने का मौका मिला और न ओटीपी न मैसेज खाते से रुपए ट्रांसफर हो गए। मामला दर्ज कर पुलिस की साइबर सेल जांच कर रही है। प्रयागराज में बीएसएनएल में कार्यरत एसडीओ अनिल कुमार आर यादव ने अपनी पत्नी के इलाज के लिए हार्ट स्पेशलिस्ट डॉ. उमर के अपॉइंटमेंट लिए कॉल करनी शुरू की। उन्हें बताया गया कि ऑनलाइन अपॉइंटमेंट ले लीजिए। काफी प्रयास के बाद भी वह ऑनलाइन नंबर नहीं ले पाए। दस मिनट बाद एक मोबाइल नंबर से अनिल यादव के पास कॉल आई। कॉल करने वाले कहा कि आपका अपाइंटमेंट फिक्स करना है। कुछ पेपर चे करें। एक फाइल भेजी गई। इसमें मरीज का नाम एवं पता लिखकर देना था।

एक लाख रुपए के लिए किया दोस्त का कत्ल

प्रयागराज में अभिषेक हत्याकांड का एक आरोपी गिरफ्तार, बोला- वापस नहीं दे रहा था पैसे

प्रयागराज। प्रयागराज के अतरसुइया इलाके में हुए अभिषेक कुशवाहा उर्फ तनु हत्याकांड से पुलिस ने पर्दा उठा दिया। अभिषेक की हत्या महज एक लाख रुपए की वजह से हुई। जरूरत पर साथियों ने उसे एक लाख रुपए दिए थे। वापस मांगने पर वह आनाकानी कर रहा था। ऐसे में उसे हिसाब के लिए बुलाया गया और बात बिगड़नें पर हत्या कर दी गई।

अतरसुइया पुलिस ने एक आरोपी मो. अली निवासी मिन्हाजपुर शाहगंज को गिरफ्तार कर लिया है। वह नया पुरवा करेली में रह रह था। उसकी निशानदेही में हत्या में प्रयुक्त कार व डंडा बरामद कर लिया गया है। हत्याकांड में कई और दोस्तों की तलाश चल रही है।

एक नजर पूरे मामले पर

अतरसुइया थाना क्षेत्र के रानीमंडी के रहने वाला अभिषेक कुशवाहा बुधवार रात घर से निकला था। घरवाले तलाश रहे थे तभी दूसरे दिन उसकी लाश रानीमंडी स्थित कूड़ाघर के पास मिली थी। पिता राजेश

कुशवाहा ने आदित्य मालवीय निवासी खुशहाल पर्वत अतरसुइया को नामजद किया था। पुलिस को जांच में पता चला कि हत्याकांड को आकाश उर्फ कल्लू, उसके भाई आदित्य निवासी गडरा घूरपुर व मो. अली शामिल रहे।

जांच में मोबाइल की लोकेशन, कॉल डिटेल आदि जुटाने के बाद पुलिस ने गिरफ्तारी शुरू की। इंस्पेक्टर संजय कुमार द्विवेदी ने ककरहा घाट के पास से मो. अली को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसे बताया कि बुधवार देर शाम आदित्य मालवीय ने अली को फोन किया। एसएस खन्ना चौराहे से मां की दवा लेकर बोट क्लब बुलाया। अली वहां पहुंचा तो कार में आदित्य मालवीय ड्राइविंग सीट पर बैठा था। बगल में अभिषेक कुशवाहा तनु भी था। पीछे की सीट पर कल्लू बैठा था।

आदित्य मालवीय ने उसे पीछे की सीट पर बैठने को कहा। इसके बाद सभी कल्लू के घूरपुर इलाके में गड़रा गांव स्थित खेत पहुंचे। अभिषेक से दिए गए एक लाख रुपये मांगे गए। वह रकम देने में आनाकानी करने लगा। इस पर आरोपी भड़क गए। आकाश उर्फ कल्लू मालवीय का भाई आदित्य डंडा लेकर आया। सभी ने मिलकर उसे पीटा।

वह अचेत होने लगा तो उसे पानी पिलाकर कार में बैठाया। रास्तेभर उसकी पिटाई की गई और फिर कूड़ा घर के पास लाकर फेंक दिया और भाग निकले। पकड़े गए आरोपी मो. अली चार मुकदमें पहले से दर्ज हैं। खुल्दाबाद थाने में उसके खिलाफ 2019 में गैंगेस्टर एक्ट का मुकदमा लिखा गया है।

महाकुंभ के काम से शांडिल्य महाराज नाराज

बोले-अफसरों की उदासीनता के चलते धीमी गति से हो रहे कार्य, सीएम से करेंगे शिकायत

प्रयागराज। जनवरी में प्रयागराज में महाकुंभ मेले का आयोजन होने जा रहा है। इसके लिए शहर विकास कार्य व सौंदर्यीकरण का कार्य चल रहा

है। लेकिन कई विभागों के कार्यों की गति धीमी है। महाकुंभ के लिए हो रहे कई कार्य महाकुंभ तक नहीं पूरे हो पाएंगे।

इस पर श्रृंगवेरपुर धाम के नारायणाचार्य स्वामी शांडिल्य महाराज ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि अफसरों की उदासीनता के चलते कई कार्य महाकुंभ तक नहीं पूरे हो सकते हैं। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री व मेलाधिकारी से की जाएगी।

अफसरों की उदासीनता, कैसे पूरे होंगे कार्य?

कई विभागों के कार्यों की चल रही तैयारियों को देखने से नहीं लग रहा है कि प्रमुख विभागों की तैयारियां महाकुंभ के प्रथम स्नान पर्व तक पूरी हो पाएंगी। जबकि मेला प्रशासन का कार्य प्रगति पर है। सबसे बड़ी बात यह है कि वरिष्ठ प्रशासनिक अफसर भी तैयारियों को लेकर गंभीर नहीं है।

इसी से समझा जा सकता है कि महाकुंभ के तैयारियों की क्या स्थिति होगी। प्रयागराज विकास प्राधिकरण, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, रेलवे और उप्र पावर कॉर्पोरेशन के कार्य पीछे हैं।

उन्होंने कहा– पीडीए को पांच दर्जन सड़कों का चौड़ीकरण, 10 दर्जन चौराहों का सुंदरीकरण, दीवाल पेंटिंग सहित अन्य प्रमुख कार्य करवाना है लेकिन पीडीए अभी तक 50 फीसदी कार्य भी नहीं कर पाया है। पीडीए को अपने कालोनियों की कई वर्ष से 50 से ज्यादा क्षतिग्रस्त सड़कों का निर्माण करना है लेकिन कोई तैयारियां दिख नहीं रही हैं।

शांडिल्य महाराज ने बताया– नगर निगम को शहर की प्रमुख पांच दर्जन सड़कों और मोहल्ले की कई वर्ष से क्षतिग्रस्त 500 सड़कों, गलियों और उन पर छोटी पुलिया का निर्माण करना है लेकिन निगम के अफसर अभी सो रहे है। उन्होंने कहा कि मेला प्रशासन और सरकार महाकुंभ में 40 करोड़ भीड जुटने का अंदाजा लगा रही है लेकिन शहर की गलियों और सड़कों पर छुट्टा जानवर दिन–रात टहल रहे हैं लेकिन नगर निगम के अफसर मामले को लेकर गंभीर नहीं हैं।

फ्लाईओवर का काम नहीं होगा पूरा

रेलवे का भी काम पिछड़ा है। दर्जन भर क्रांसिग पर फ्लाईओवर बनाने से हाथ पीछे खींच लिया है जिससे जौनपुर जिले के मुंगरा बादशाहपुर, जौनपुर शहर और बदलापुर है। इन क्रांसिग पर फ्लाईओवर न बनने से नेपाल से आने वाले श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों को भारी परेशानी होगी और घंटों जाम से जूझना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग शिवकुटी से लेकर संगम तक और छतनाग से लेकर बदरा सुनौटी तक गंगा के किनारे पत्थर से सड़क और घाट बना रहा है लेकिन बाढ़ से प्रभावित हो गया है इसको बनने में अभी समय लगेगा।

प्रयागराज में एसटीएफ के बिछाए जाल में फंसा दरिंदा

महाराष्ट्र की मूक बधिर लड़की से कई बार रेप किया, गर्भवती हुई तो भाग निकला

प्रयागराज। प्रयागराज से नौकरी के लिए मुंबई गया एक युवक वहां घिनौनी करतूतें कर बैठा। महाराष्ट्र के पालघर जिले में उसे एलईडी कंपनी में नौकरी मिल गई। वहीं उसने एक मूक बधिर बालिका से रेप किया। इतना ही नहीं उसे डरा धमका कर लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा।

डरी सहमी मूक बधिर लड़की सब कुछ सहती रही। इस दरिंदगी का पता तब चला, जब बालिका गर्भवती हो गई। लड़की ने इशारों से अपने साथ हुई घटना के बारे में लोगों को बताया। वहीं, प्रयागराज का शातिर हौसला प्रसाद वहां से भाग खड़ा हुआ।

जनवरी से लेकर अब तक मुंबई पुलिस उसे तलाशती रही। अंत में मुंबई पुलिस ने यूपी एसटीएफ ने मदद मांगी। प्रयागराज यूनिट STF ने घेराबंदी कर पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में फरार आरोपी को पकड़ लिया। उसे महाराष्ट्र पुलिस के हवाले किया गया है।

गांव में एसटीएफ ने बिछाया जाल

प्रयागरजा के उतरांव थाना क्षेत्र के दांदूपुर का रहने वाला हौसला प्रसाद महाराष्ट्र के पालघर में एक कंपनी में नौकरी के लिए पहुंचा। वहां पढ़ाई करने वाली मूक बाधिर बालिका के संपर्क में आ गया। उसे झांसा देकर उसके साथ रेप किया। फिर धमकी देने लगा।

बेंगलुरु की साहित्यिक संस्था `साहित्य साधक मंच' द्वारा डॉ0 प्रदीप चित्रांशी सम्मानित हुए

प्रयागराज। बेंगलुरु की अग्रणी साहित्यिक संस्था साहित्य साधक मंच का 205 वां सारस्वत क्रायक्रम दो सत्रों में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में डॉ०प्रदीप चित्रांशी के साहित्यिक सम्मान के साथ बेंगलुरु के सुप्रसिद्ध साहित्यकार ज्ञानचंद मर्मज्ञ के चर्चित निबंध ा संग्रह श्खूंटी पर आकाशश पर विस्तृत चर्चा हुई। चर्चा की शुरुआत करते हुए डॉ कविता सिंह प्रभा ने कहा कि इन निबंध ाों में उनके जीवन दर्शन का गहन अध्ययन व चिंतन की छाप मुखर होती है। श्री मर्मज्ञ ने इन निबंधों में आकाश को ही नहीं पूरी सृष्टि से प्राप्त जीवन दर्शन को अपने इस निबंध संग्रह में समाहित किया है। ये निबंध ा नहीं काव्यात्मक प्रवाह में बहती साहित्य की निर्मल धारा है जो गद्यात्मक रूप में अपना पथ प्रशस्त कर रही है। उनकी लेखनी शैली बेजोड़ है। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए श्री भूपेंद्र सिंह कटाक्ष ने कहा कि ष्खूँटी पर आकाशष् निबंध संग्रह का शीर्षक कदाचित् ष्जीवन की समीक्षाष् हो तो यह अतिशयोक्ति न होगा । सारांश में कहें तो यह संग्रह जीवन रूपी प्याज के परतें निकालते–निकालते, समाज में अंतर्राष्ट्रीयता और परिवार के एकीकार के सत्य की विक्षुब्धि की यात्रा पर ले जाते हुए, आत्म–परिचय करता है। राधेश्याम यादव सुदर्शन ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि निबन्ध संग्रह श्खूँटी पर आकाशश ज्ञानचंद श्मर्मज्ञश जी की अप्रतिम शब्द–चेतना और युगबोध से प्रस्फुटित जीवन–दर्शन के श्गंगा–सागरश स्वरूप है। इसका जितने बार आचमन अवगाहन अध्ययन–

मनन करते हैं हर बार एक नई ऊर्जा –स्फूर्ति की विशेष अनुभूति होती है जो थके–हारे मन, अलसाई आँखों में घुटते सपनों, आशाओं–अभिलाषाओं, अनन्त सम्भावनाओं–साध्यताओं के आकाश को संकल्पों की खूँटी पर टांगने के लिए प्रेरित प्रोत्साहित करती हैं, सम्वेदनाओं को स्पंदित कर जड़ों से जुड़ने के लिए सम्प्रेरित करती है। उर्मिला श्रीवास्तव ने भी चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि कृति श्खूंटी पर आकाश चिंतन के नए द्वार खोलती है और अपनी जड़ों से जुड़ने को प्रेरित करती है। प्रथम सत्र का संयोजन दीपक पण्डे ने किया।

कार्यक्रम का दूसरा सत्र मेरठ के सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ रामगोपाल भारतीय की अध्यक्षता, इलाहाबाद से पधारे साहित्यकार डॉ प्रदीप चित्रांशी के मुख्य आतिथ्य और गीतकार श्रीमती रचना उनियाल के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित हुआ। पद्मा श्रीनिवासन वसुधा द्वारा प्रस्तुत मां वाणी की वंदना के पश्चात्र उपस्थित कवियों ने गीत, गजल, दोहे, मुक्तक और नई कविता सुनाकर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। लगभग चार घंटे तक चले काव्य गोष्ठी में डॉ.राम गोपाल भारतीय, डा.प्रदीप चित्रांशी ने कहा–

कौन लिखेगा सत्य को,कौन भरेगा रंग।
भूख बिकी बाजार में,गुलदस्तों के संग।।
रचना उनियाल ने कहा–
चला रहा है कलियुग कैंची,बना हुआ है बब्बर।
कट–कट काट रहा रिश्तों को,बदल–बदल मन पेपर।।

इन्दर सिंह, भूपेंद्र सिंह कटाक्ष, डॉ रजनी शाह,दीपक पांडे,राधेश्याम यादव सुदर्शन,पद्मा श्रीनिवासन वसुधा,डॉ.कविता सिंह प्रभा,उर्मिला श्रीवास्तव,उषा गुप्ता,अर्जुन सिंह धारमधारी, सुधा अहलूवालिया,मृदुला सिंह चौहान,बी.एस.राठौर ,स्वेतलीना पांडा,विनीता लवानिया,अरुणा राणा,प्रवल प्रताप सिंह राणा,गीता चौबे गूंज,हेमा देसाई,सुधा दीक्षित,अमित भारतीय अनंत ,सविता गुप्ता,राही राज, प्रीति राही ,एच आर नरसिम्हन,,सुरेन्दर कोहली सूरी,स्वीटी सिंघल, रघुबीर अग्रवाल,सुशील कुमार,अंजू भारती,कावूरी नागलक्ष्मी,ज्ञानचंद मर्मज्ञ ,नीता अग्रवाल,वीणा मेदनी,नारायण सिंह आदिक ने अपने काव्यपाठ से श्रोताओं को झूमने पर विवश कर दिया।

कार्यक्रम का संचालन ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित थे।

संक्षिप्त

हमेशा नशे में ही रहती हैं कंगना रनौत, किसानों से माफी मांगे : अजय राय

लखनऊ, एजेंसी। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कंगना रनौत के बिवादित बयान को लेकर भाजपा पर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कि कंगना रनौत हमेशा नशे में रहती हैं। वह हमेशा ही किसानों को गाली देती रहती हैं। उन्होंने पूरे देश के किसानों से कंगना रनौत को माफी मांगनी चाहिए और भाजपा को ऐसे सांसद के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। दरअसल कंगना ने हाल ही में कहा था कि अगर देश का नेतृत्व मजबूत नहीं होता तो भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा हो सकती थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान वह शव लटक रहे थे और बलात्कार हो रहे थे। जाट किसान बहुल हरियाणा में विधानसभा चुनाव के तहत आगामी एक अक्टूबर को मतदान होने जा रहा है, ऐसे में विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा है। इसबीच भाजपा ने अपनी सांसद के विचारों से असहमति व्यक्त की है और यह स्पष्ट किया कि उन्हें पार्टी के नीतिगत मामलों पर टिप्पणी करने की न तो अनुमति है और न ही वह इसके लिए अधिकृत हैं। गौरतलब है कि हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और अन्य स्थानों के हजारों किसानों ने कृषि कानूनों (अब निरस्त) को लेकर कई महीनों तक दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन किया था। इस दौरान कई किसानों की मौत हो गई थी उसके बाद सरकार ने इस कानून को वापस ले लिया था।

बीजेपी सरकार के पूर्व मंत्री ने सीएम योगी को बताया बेकार

मायावती की कर दी तारीफ, कहा,नही होती थी रिश्वतखोरी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और बीजेपी विधायक के पिता राम सरन वर्मा ने अपनी ही सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।उन्होंने सरकार पर सवाल उठाते हुए मायावती के कार्यकाल की तारीफ की। उन्हें सीएम योगी से बेहतर मुख्यमंत्री बताया। राम सरन वर्मा ने कहा कि मायावती के कार्यकाल में रिश्वत खोरी नहीं होती थी। राम सरन वर्मा खुद भाजपा सरकार में राज्यमंत्री रह चुके हैं। उनके बेटे विवेक वर्मा पीलीभीत की बीसलपुर विधानसभा से विधायक हैं। पूर्व मंत्री ने कल मंगलवार से बीसलपुर मंडी में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। उन्होंने आवारा पशुओं समेत कई अन्य समस्याओं को लेकर अनिश्चित कालीन धरना शुरू कर दिया हैं। पूर्व मंत्री ने धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए भरे मंच से सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा और उन्हें बेकार, नकारा तक कह दिया। उन्होंने अपनी सरकार के सिस्टम पर सवाल करते हुए मायावती की भी जमकर तारीफ की।राम सरन वर्मा ने कहा कि मैं खुद भाजपा का हूं लेकिन मैं तो लोगों से कहता हूं कि अब तक जितने सीएम हुए हैं उनमें सीएम योगी अब तक के सबसे बेकार और नकारा मुख्यमंत्री हैं। रामसरन वर्मा ने कहा कि इनसे अच्छा तो मायावती थीं कम से कम रिश्वत खोरी तो नही होती थी। सरकार में पैसा बिलकुल बंद हुआ था।मैं किसी से नहीं डरता हूँ सब कुछ कह देता हूं। पूर्व मंत्री का ये बयान अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।राम सरन अक्सर बयानों को लेकर चर्चाओं में रहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि दो अक्टूबर तक अगर उनकी मांगे नहीं मानी गईं तो विरोध प्रदर्शन जारी रखेगे।

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के तत्वाधान में 30 अगस्त को नरही बाजार में ट्रेडर्स सेमिनार का आयोजन

लखनऊ, एजेंसी। ट्रेडर्स सेमिनार में फाइनेंस , स्मार्ट ट्रेडिंग, क्लस्टर परचेसिंग, स्मार्ट मार्केट, सिबिल स्कोर ,व्यापारी सुरक्षा, साइबर क्राइम के विषयों पर विशेषज्ञ व्यापारियों को करेंगे ,जागरूक एवं प्रशिक्षित उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने परंपरागत व्यापारियों के व्यापार को बचाने एवं बढ़ाने के लिए सकारात्मक कदम उठाते हुए राजधानी लखनऊ में संगठन के तत्वाधान में 30 अगस्त, शुक्रवार को राजधानी के नरही बाजार, हजरतगंज के पाल पैराडाइज होटल में ष्ट्रेडर्स सेमिनार ष्का आयोजन किया हैं उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की लखनऊ इकाई के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह ने बताया इस ष्ट्रेडर्स सेमिनारष् में फाइनेंस, स्मार्ट ट्रेडिंग ,क्लस्टर परचेसिंग ,स्मार्ट मार्केट ,सिबिल स्कोर, व्यापारी सुरक्षा एवं साइबर क्राइम के विषयों पर चर्चा होगी तथा विशेषज्ञों द्वारा व्यापारियों को जागरुक एवं प्रशिक्षित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, नरही बाजार ,हजरतगंज के अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह बबुआ एवं महामंत्री संजय अग्रवाल ने बताया ट्रेडर्स सेमिनार में नरही एवं आसपास की बाजारों के व्यापारी बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे।

मेरठ में हॉकी के जादूगर के नाम से बन रहा पहला खेल विश्वविद्यालय

मेजर ध्यानचंद म्यूजियम निर्मित, झांसी में कराया हीरोज ग्राउंड का अपग्रेडेशन

लखनऊ, एजेंसी। योगी सरकार प्रदेश की विरासत को सम्मान देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद से जुड़ी स्मृतियों को भी संजोने का काम किया है। सीएम योगी ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कार्यों को अंजाम दिया है। झांसी में दद्दा की स्मृतियों से जुड़े श्हीरोज ग्राउंडश को झांसी विकास प्राधिकरण ने उच्चीकृत करते हुए यहां सुविधाओं का विस्तार किया है और इसको नया लुक देने का काम किया। झांसी स्मार्ट सिटी ने रानी लक्ष्मीबाई पार्क में ध्यानचंद म्यूजियम का निर्माण कर यहां दद्दा के जीवन की यादगार कहानियों को अनूठे अंदाज में प्रदर्शित किया है। विगत वर्ष सीएम योगी ने स्वयं इसका लोकार्पण किया था। योगी सरकार मेरठ में दद्दा के नाम पर प्रदेश के पहले खेल विश्वविद्यालय का भी निर्माण करा रही है, जो महान खेल विभूति दद्दा को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।मेजर ध्यानचंद के आवास के निकट स्थित हीरोज ग्राउंड दद्दा के खेल जीवन के शुरुआती दिनों से जुड़ा रहा है और इस ग्राउंड पर उन्होंने खुद अभ्यास करने के साथ ही बहुत सारे खिलाड़ियों को प्रशिक्षण भी दिया। इसी ग्राउंड के एक हिस्से में दद्दा की समाधि स्थित है। झांसी विकास प्राधिकरण ने इस ग्राउंड के चारों ओर बाउंड्री वाल, लाइटिंग, ट्रैक निर्माण और घास लगवाने का काम किया। इसके एक हिस्से में मेजर ध्यानचंद की स्मृति में संग्रहालय का निर्माण कराया गया है। ग्राउंड की दीवारों पर मेजर ध्यानचंद से जुड़ी आकर्षक पेंटिंग्स बनाई गई हैं। मेजर ध्यानचंद के प्रशंसक झांसी में इस ग्राउंड का अवलोकन करने जरूर आते हैं। झांसी स्मार्ट सिटी ने रानी लक्ष्मीबाई पार्क में मेजर ध्यानचंद म्यूजियम का निर्माण कराया है, जिसका लोकार्पण 29 अगस्त 2023 को सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया था। मेजर ध्यानचंद संग्रहालय विश्व का दूसरा और एशिया का पहला हॉकी संग्रहालय है, जो मेजर ध्यानचंद को समर्पित है। इस संग्रहालय में मेजर ध्यानचंद के द्वारा जीते गए ओलंपिक पदकों के साथ ही हॉकी से जुड़ी उनकी निजी वस्तुओं को भी प्रदर्शित किया गया है। इसमें डिजिटल डिस्प्ले की मदद से मेजर ध्यानचंद के व्यक्तित्व और खेल जीवन को प्रदर्शित किया गया है। मॉडर्न टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के कारण यह संग्रहालय झांसी में पर्यटन का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। उत्तर प्रदेश सरकार हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का निर्माण करा रही है। यहां खिलाड़ियों को सभी प्रकार के खेलों की सुविधा और प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस विश्वविद्यालय के तैयार हो जाने के बाद इसमें 540 पुरुष और 540 महिला खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था होगी।

पेरिस पैरालम्पिक में भी महकेगी एक्सीलिया की मिट्टी की खुशबू

लखनऊ, एजेंसी। एक्सीलिया स्कूल एक बार और प्रफुल्लित है। कारण, पेरिस पैरालम्पिक 2024 में भी वह अपना योगदान दे पा रहा है। इस बार भी मेरी और अदब के शहर की मिट्टी की खुशबू से महकी बैडमिंटन अकादमी में जिन खिलाड़ियों ने खुद को और अपनी तैयारी को पेरिस जाने से पहले समय,समय पर परखा है उनमें मंदीप कौर, नित्या श्री, पलक कोहली, मनोज सरकार, शिवराजन सोलैमेलाई, सुहास एलवाई, तरुण ढिल्लन आदि शामिल हैं। संभव है कुछ को यह बात बेहद सामान्य सी लगे कि खिलाड़ी कहीं न कहीं तो तैयारी करते ही हैं और किसी भी प्रतियोगिता में जाकर जब अपना पूरा दमखम लगाते हैं तब जाकर सफलता हाथ लगती है।

मगर जब खिलाड़ी खासकर पैरा खिलाड़ी जब एक ऐसी जगह की तलाश में हों जहां वह इत्मीनान व बगैर किसी भेदभाव के तैयारी कर सकें तो यह बात अहम हो जाती है। मुझे फख है कि एक्सीलिया स्कूल ने ऐसे आड़े समय में अपनी बैडमिंटन अकादमी को मूर्त रूप दिया जब पैरा खिलाड़ियों को उसकी बेहद आवश्यकता थी। टोक्यो पैरालम्पिक 2000 लगभग आने वाले ही थे और पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी मनमुताबिक तैयारी नहीं कर पा रहे थे। उन्हें ऐसी जगह चाहिए थी जहां कह सकें कि वहां उनका प्रथम अधिकार है। ऐसे मौके पर एक्सीलिया ने चुनौतीपूर्ण मगर महत्वपूर्ण निर्णय लिया और स्कूल के 'ऑडिटोरियम' की जगह पर गौरव खन्ना एक्सीलिया बैडमिंटन अकादमी की स्थापना को मंजूरी दे दी। हालांकि कोविड–19 के झंझावात के बीच देश की पहली पैरा बैडमिंटन अकादमी की स्थापना की राह काफी दुर्गम थी। बावजूद इसके अकादमी तैयार हुई और देश भर से एक्सीलिया में जुटे पैरा खिलाड़ियों प्रमोद भगत, मनोज सरकार तरुण ढिल्लन, कृष्णा नागर, पारुल परमार, पलक कोहली आदि ने पैरा बैडमिंटन के राष्ट्रीय कोच गौरव खन्ना की अगुआई में टोक्यो पैरालम्पिक के लिए जोर–शोर से तैयारी को अंजाम दिया। नतीजे सुखद रहे और टोक्यो में भारत ने बैडमिंटन की स्पर्धा में दो स्वर्ण समेत चार पदकों पर अपना नाम लिख इतिहास रच दिया। प्रमोद भगत और कृष्णा नागर ने स्वर्ण तो सुहास एलवाई ने रजत और मनोज सरकार ने कांस्य पदक अपने नाम किए। इसके बाद हर अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा में खिलाड़यों ने मुझे यानी एक्सीलिया और मेरे अदब के शहर लखनऊ को गौरवान्वित किया। इसमें चीन के हांगझू में आयोजित 2022 के एशियाई पैरा खेलों की उपलब्धि भी खास रही। जहां 21 पदक खिलाड़ियों ने भारत की झोली में डाले। जिसमें से 4 स्वर्ण, 4 रजत और 13 कांस्य पदक शामिल रहे। चीन रवाना होने से पहले एक्सीलिया में आयोजित 'हांगझू की उड़ान' कार्यक्रम में खिलाड़ियों ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए भारत का परचम लहराने की बात कही थी। भारत के जिन खिलाड़ियों ने मेरे आंगन में अपने खेल को चमकाया है, उनमें टोक्यो पैरालंपिक खेलों के पदक विजेता मनोज सरकार, प्रमोद भगत, कृष्णा नागर, यूपी सरकार से लक्ष्मण पुरस्कार प्राप्त अबू हुबैदा, प्रेम कुमार अले, शशांक कुमार, अमू मोहन, पलक कोहली, सान्थिया विश्वनाथन, गोकुल दास, आकाश माधवन, चिराग बरेठा, राज कुमार, सुकांत कदम, रचना पटेल, वैष्णवी पुनयानी, नेहाल गुप्ता, अभिजीत सखूजा, नवीन शिवकुमार आदि शामिल हैं। ये वह खिलाड़ी हैं जो आज भारत के लिए पैराबैडमिंटन में बड़ी उम्ध्मीद बनकर उभरे हैं। एक्सीलिया ने साथ ही साथ खिलाड़ियों की शिक्षा का भी ध्यान रखा और उन्हें ऐसा माहौल दिया जिसकी बदौलत वह अपनी पढ़ाई से सामंजस्य बिठा सके। तमिलनाडु की पैरा खिलाड़ी नित्या श्री और दिल्ली की वैष्णवी पुनयानी ने एक्सीलिया में हाईस्कूल के बाद प्रवेश लिया और बेहतर अंकों के साथ 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। नित्या श्री ने चीन के हांगझू में आयोजित एशियाई पैरा खेलों में तीन कांस्य पदक अपने नाम किए थे। वहीं एक्ध्सीलिया से 2022 में 12वीं उत्तीर्ण करने वाली वैष्णवी पुनयानी ने एसएल–4 वर्ग के महिला एकल में कांस्य पदक हासिल किया। सेमीफाइनल पहुंचने तक वैष्णवी का प्रदर्शन शानदार रहा था।

पौधरोपण के पूर्व संजोने का लिया संकल्प

करछना। पौधों के रोपण के साथ–साथ उन्हे समय–समय पर खाद पानी और देखरेख कर संजोने की जरूरत है।बिना

इसके पौधे लगाने का संकल्प पूरा नही हो सकता।यह बातें बृज मंगल सिंह इंटर कालेज रामपुर में बुधवार को प्रबंधक डॉ.भगवत पांडेय ने कही।प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कहा कि प्रबंधक के निर्देश पर प्रत्येक शिक्षकों को एक–एक पौधे गोद लेकर नव निर्मित थालों में रोपण की जिम्मेदारी दी गई है।यह एक सराहनीय पहल है।प्रत्येक शिक्षक जिम्मेदारी के साथ पौधरोपण करने और इन पौधों को संजोने का संकल्प ले।इस दौरान शिक्षकों ने पंचपल्लव के नामित पौधों के साथ साथ पीपल, गूलर, बरगद, नीम, जामुन, आंवला, चितवन, पाकर, बडहल के पौधों को गोद लेकर इनके रोपण और संजोने का संकल्प लिया।इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक,कर्मचारी और बच्चे मौजूद रहे।

सीएमपी डिग्री कॉलेज का लघु अवधि पाठ्यक्रम एवं कौशल विकास पर विशेष बल

प्रयागराज । सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे के कुशल नेतृत्व में लघु अवधि पाठ्यक्रम एवं कौशल विकास पर विशेष बल दिया जा रहा है जिसके अंतर्गत विभिन्न लघु अवधि कोर्स चलाये जा हैं जैसे एंड्रॉयड ऐप डेवलपमेंट, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, बीमा (ब्व्ठथ्), कम्प्यूटरीकृत लेखांकन, हर्बल बागवानी और जैविक खेती, डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला तकनीक, मशरूम की खेती, व्यक्तित्व विकास और तनाव प्रबंधन, अनुसंधान में मूल बातें में सर्टिफिकेट कोर्स, जैव अपशिष्ट के वर्मीकल्चरिंग और वर्मीकंपोस्टिंग, उर्दू में सर्टिफिकेट कोर्स, दूध और दूध उत्पादों में मिलावट, कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग, औषधीय और सुगंधित पौधों में एंटीऑक्सीडेंट परीक्षण, वैदिक संस्कृति, साहित्य, धर्म, दर्शन और मूल्यों में सर्टिफिकेट कोर्स, योग और ध्यान, अंग्रेजी बोलचाल और व्यक्तित्व विकास जैसे कोर्स शामिल हैं । महाविद्यालय द्वारा कुछ अनिवार्य चलाये जा रहे हैं जो सभी विद्यार्थियों के लिए है जैसे जल साक्षरता , ऊर्जा साक्षरता , और पर्यावरण साक्षरता में सर्टिफिकेट कोर्स शामिल हैं । इसके अतिरिक्त कुछ विशेष कोर्स भी चलाये जा रहे हैं जैसे सिविल सेवा के लिए जीएस फाउंडेशन कोर्स और जीवन विज्ञान में सीएसआईआर–यूजीसी नेट के लिए क्रैश कोर्स शामिल हैं ।इन सभी कोर्स की विस्तृत जानकारी महाविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त सकती है । सभी कोर्स के सफल संचालन के लिए महाविद्यालय में सेंटर फॉर वोकेशनल स्टडीज एंड स्किल डेवलपमेंट कार्यरत है जिसके समन्वयक डॉ बीरेश्वर पांडेय है।

वाह रे यूपी पुलिस! भाई–बहन को प्रेमी–प्रेमिका बता पीटा

वीडियो वायरल हुआ तो कह रहे होगी जांच

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश पुलिस एक से बढ़कर एक कारनामे करती है। रायबरेली से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मामूली कहासुनी के बाद पुलिस वालों ने भाई–बहन को प्रेमी–प्रेमिका बताकर पिटाई की और फिर कानून को ताक पर रखकर सारी हदें पार कर दी।मामला वायरल हुआ तो प्रशासन हरकत में आया और सफाई दी है। मामला रायबरेली के सलोन

क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि भाई बहन कहीं जा रहे थे। सादी वर्दी में मौजूद पुलिसकर्मी से किसी बात को लेकर बहस हो गई। इसके बाद सिपाही ने भाई–बहन की पिटाई की। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि दोनों के बीच बहस हो रही है और एक शख्स लड़के की गर्दन को पकड़कर खड़ा है। पास में खड़ी बहन लगातार भाई को छोड़ने की गुहार लगा रही है। एक वर्दीधारी पुलिसकर्मी पर वहां पहुंचता है लेकिन उसने भी दोनों को छुड़ाने की कोशिश नहीं की। हद तो तब हो गई जब पुलिसकर्मी ने भाई बहन को प्रेमी–प्रेमिका बताकर उन पर कार्रवाई की धमकी दी। आरोप तो यह भी कि इन पुलिसकर्मियों ने करीब 24 घंटे तक लड़के को अवैध हिरासत में रखा था। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हुआ तो लोग आक्रोश व्यक्त करने लगे। लोगों ने सवाल पूछा कि भाई–बहन को प्रेमी–प्रेमिका बताकर अभद्रता क्यों की जा रही है? अगर वह प्रेमी–प्रेमिका भी होते तो पुलिसवालों को क्या दिक्कत है भाई? एक अन्य ने लिखा कि इस पुलिसकर्मी के इतना हौंसला कहां से आया, इसकी इतनी हिम्मत कि भाई बहन को प्रेमी और प्रेमिका कहें! जब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और लोगों ने नाराजगी जताई तो पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच के लिए सालोन के प्रभारी निरीक्षक को निर्देशित किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर महसी पहुंचे वन मंत्री, पीड़ित परिवार से की मुलाकात

डेढ़ महीने में सात लोगों को शिकार बना चुका है भेड़िया

लखनऊ, एजेंसी। वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना आज बहराइच के महसी विकास खंड के अंतर्गत गांव सिसईया चूणमणि के मजरा कोलैला पहुंचें। वहां पर भेड़िये ने हमला कर एक महिला की हत्या कर दी थी। गांव में भेड़िये का आतंक है। डेढ़ महीने में भेड़िये के हमले में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है। वन मंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर भ्रमण के लिए पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिजनों से कहा कि दुख की घड़ी पूरी सरकार आपके साथ है। वन मंत्री के साथ विधायक महसी सुरेश्वर सिंह, बलहा की विधायक सरोज सोनकर, मुख्य वन सरंक्षक रेनू सिंह, पीसीसीएफ सुधीर शर्मा व पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ संजय श्रीवास्तव, जिलाधिकारीमोनिका रानी, पुलिस अधीक्षक वृन्दा शुक्ला, नोडल आकशदीप बधावन, डीएफओ बहराइच अजीत प्रताप सिंह, कतर्नियाघाट बी.शिवशंकर व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय.....

सुरक्षा की पेंशन

आखिरकार केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के पेंशन के मुद्दे को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए इस उलझन को दूर करने का प्रयास किया है। उसने पुरानी पेंशन और एनपीएस के बीच का रास्ता निकाल जहां कर्मचारियों के हितों को तरजीह दी है,वहीं राजकोषीय दबाव को भी कम किया है। निस्संदेह, हाल में घोषित एकीकृत पेंशन स्कीम से कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा को संबल मिलेगा। जिसमें एक निश्चित पेंशन, फैमिली पेंशन का आश्वासन तथा मुद्रास्फीति के दबाव से राहत का प्रयास सम्मिलित है। इस योजना में सेवानिवृत्ति से पहले वर्ष में बारह माह के औसत मूल वेतन का पचास फीसदी पेंशन के रूप में मिलेगा। जिसमें कर्मचारी का योगदान तो दस फीसदी ही रहेगा, लेकिन सरकार का योगदान 14 फीसदी से बढ़कर 18.5 फीसदी हो जाएगा। यह लाभ 25 साल की सेवा के बाद मिलेगा, लेकिन दस साल की सेवा वाले व्यक्ति को भी दस हजार पेंशन का लाभ मिलेगा। निस्संदेह, इस निर्णय के राजनीतिक निहितार्थों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घोषणा ऐसे वक्त में की गई है जब हरियाणा व जम्मू–कश्मीर में चुनाव कार्यक्रम घोषित है और साल के अंत तक महाराष्ट्र व झारखंड में चुनाव होने हैं। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों ने कर्मचारियों की पुरानी पेंशन की मांग को हवा देते हुए इसे राजनीतिक मुद्दा बनाया था। कहा गया कि हिमाचल प्रदेश में आये जनादेश का एक बड़ा कारण पुरानी पेंशन का मुद्दा था। हालांकि, राजस्थान व पंजाब आदि राज्यों में यह मुद्दा वैसा प्रभावी नजर नहीं आया। निस्संदेह, मुद्दा लोकलुभावन तो था लेकिन पुरानी पेंशन को लागू करने से भारी वित्तीय दबाव बढ़ने की चिंता जतायी गई। तभी बीते साल आरबीआई ने ओपीएस के विकल्प का चयन करने वाले राज्यों पर बढ़ने वाले आर्थिक दबाव पर चिंता जतायी थी। निस्संदेह, इससे सरकारों का राजकोषीय घाटा निरंतर बढ़ने का भी खतरा था। जिसके चलते इस योजना को वर्ष 2004 में समाप्त किया गया था। फिर उसी राह पर लौटना व्यावहारिक भी नहीं था। दरअसल, राजग सरकार का कहना है कि एकीकृत पेंशन योजना वित्तीय अनुशासन के अनुरूप है, जो कि सरकार द्वारा वित्तीय सहायता के साथ कर्मियों के अंशदान से मूर्त रूप लेती है। जिससे जहां एक ओर सेवानिवृत्ति के बाद कर्मियों को वित्तीय सुरक्षा मिल सकेगी, वहीं राजकोषीय विवेक में भी संतुलन बन सकेगा। दरअसल, विपक्षी दलों द्वारा पुरानी पेंशन को मुद्दा बनाने के बाद केंद्र सरकार ने इसके विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। फिर अप्रैल 2023 में तत्कालीन वित्त सचिव टीवी सोमनाथ की प्रधानी में बनी कमेटी ने चिंतन–मनन के उपरांत जो सिफारिश सरकार को सौंपी, बीते शनिवार मोदी सरकार के मंत्रिमंडल ने उसे हरी झंडी दिखा दी। बहरहाल, यह लोकतंत्र की खूबसूरती कही जा सकती है कि जन दबाव में सरकार को बड़ा फैसला लेना पड़ा है। निस्संदेह, पूरा जीवन राजकीय सेवा में लगाने वाला कर्मचारी रिटायर होने के बाद आर्थिक असुरक्षा में घिर जाता है। वह भी तब जब देश में सामाजिक सुरक्षा योजनाएं नगण्य हैं। सेवानिवृत्ति के बाद आय के साधन सीमित होने,बढ़ती उम्र की बीमारियों के दबाव तथा बच्चों की अनदेखी के चलते पूर्व कर्मियों को उपेक्षित जीवन जीने को बाध्य होना पड़ता है। यही वजह है कि देश में एकीकृत पेंशन योजना को सकारात्मक प्रतिसाद मिला है। विपक्षी दल भी विरोध करने के बजाय कह रहे हैं कि उनकी मुहिम से ही यह पेंशन योजना अस्तित्व में आयी। यह सुखद ही है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिये कर्मचारी हित में सकारात्मक बदलाव संभव हुआ। आगामी वर्ष में एक अप्रैल को लागू होने वाले इस फैसले से केंद्र के 23 लाख कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद योजना का लाभ मिलेगा, और यदि राज्य योजना को लागू करते हैं तो इसका लाभ करीब नब्बे लाख कर्मचारियों को मिलेगा। वहीं कर्मचारियों के लिये एनपीएस के विकल्प भी खुले रहेंगे। दूसरी ओर सरकार को निजी क्षेत्र के करोड़ों कर्मचारियों की वित्तीय असुरक्षा को महसूस करते हुए उन्हें नई पेंशन का लाभ देने की दिशा में भी गंभीरता से सोचना चाहिए। बहरहाल, केंद्र सरकार ने मध्यम वर्ग को एक राहत देने की कोशिश की है।

दो युद्धों के बीच विश्वशांति में भारत की भूमिका

एजेंसी

2022 में सुरक्षा परिषद में यूक्रेनी इलाकों पर रूस के कब्जे और जनमत संग्रह के खिलाफ पारित प्रस्ताव से भी भारत दूर ही रहा था। पश्चिमी देशों और यूक्रेन की आपत्तियों के बावजूद रूस से तेल का आयात भारत ने जारी रखा है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाल में संपन्न यूक्रेन दौरे के बाद दुनिया भर में इस बात की चर्चा तेज हो गई कि रूस और यूक्रेन के बीच शांति कायम करने में क्या भारत की अहम भूमिका होगी। दरअसल यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदीमीर जेलेंस्की ने दूसरे शांति सम्मेलन की मेजबानी करने का प्रस्ताव भारत के सामने रखा है। हालांकि इस खबर के फौरन बाद एक दूसरी खबर आई कि यूक्रेन ने रूस के सरातोव शहर में एक 38 मंजिला रिहायशी इमारत पर ड्रोन से हमला किया है। इस हमले के वीडियो ने 11 सितंबर को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले की भयावह यादें ताजा कर दीं। गनीमत यह है कि अब तक सरातोव पर हुए हमले में जान–माल के ज्यादा नुकसान की खबर नहीं है। लेकिन जिस तरह से यह हमला हुआ, वह रूस और यूक्रेन के बीच शांति की संभावनाओं को और धूमिल कर रहा है। क्योंकि रूस इस हमले के बाद शायद ही शांत बैठे। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़े युद्ध में पश्चिमी शक्तियों की सक्रिय भागीदारी है। अमेरिका, ब्रिटेन आदि देश खुलकर यूक्रेन का साथ दे रहे हैं। जबकि भारत ने अपने पुराने मित्र रूस को ही यूक्रेन पर तरजीह दी है। 2023 के जी–20 सम्मेलन में यूक्रेन को आमंत्रित नहीं किया गया था, पिछले महीने जुलाई में यूएनजीए में यूक्रेन के खिलाफ रूस के हमलों को रोकने के लिए वोटिंग से भारत ने दूरी बनाई। 2022 में सुरक्षा परिषद में यूक्रेनी इलाकों पर रूस के कब्जे और जनमत संग्रह के खिलाफ पारित प्रस्ताव से भी भारत दूर ही रहा था। पश्चिमी देशों और यूक्रेन की आपत्तियों के बावजूद रूस से तेल का आयात भारत ने जारी रखा है। ऐसे तमाम उदाहरण यह बताते हैं कि भारत और रूस की मित्रता पहले की तरह बनी हुई है और इस दौरान अगर भारत यूक्रेन के जख्मों पर भी मलहम लगा रहा है, तो इसका अर्थ यही है कि भारत हर हाल में विश्व शांति चाहता है। यूक्रेन भी शांति की बात करता है, लेकिन कीव की शर्तों पर, वहीं रूस भी किसी कीमत पर पीछे हटने तैयार नहीं है। यूक्रेन ने पहला शांति सम्मेलन स्विट्जरलैंड में किया था, जिसमें करीब 90 देशों ने भागीदारी की थी, लेकिन चीन इससे दूर रहा था। अब दूसरे सम्मेलन के लिए भारत के अलावा तुर्किए, सऊदी अरब, कतर और स्विट्जरलैंड से भी चर्चा चल रही है। शांति सम्मेलन इनमें से किसी भी देश में हो, महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें भारत अब किस तरह की भूमिका निभा सकता है और क्या इससे दो सालों से चल रहे युद्ध पर विराम लगेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी यूक्रेन यात्रा में भारत की विदेश नीति के अनुरूप विश्वशांति पर ही जोर दिया है, इससे पहले जुलाई के दूसरे हफ्ते में जब प्रधानमंत्री मोदी रूस गए थे, तब भी वहां उन्होंने यही कहा था कि युद्ध की जगह वार्ताओं से समाधान निकाले जाने की जरूरत है। हालांकि तब रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन को गले लगाने पर यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता (मोदी) का दुनिया के सबसे खूनी अपराधी (पुतिन) को गले लगाना दिल तोड़ने वाला है। 44 दिन बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जेलेंस्की को भी गले लगाया। हालांकि पुतिन ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, क्योंकि रूस भी भारत की गुटनिरपेक्ष नीति को समझता है।रूस और यूक्रेन के अलावा फिलीस्तीन पर इजरायल के हमलों से भी विश्व शांति तार–तार हुई है। हमास के खात्मे के नाम पर इजरायल ने फिलीस्तीन में नरसंहार किया है और यह खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है, ऐसे में अब भारत के लिए कड़े फैसले लेने का वक्त आ गया है। इजरायल के साथ भारत के आर्थिक–सामरिक संबंध रहे हैं। लेकिन पिछले दिनों इजरायल के पूर्व राजदूत डेनियल कार्मन ने दावा किया था कि हमास से युद्ध के दौरान भारत, इजरायल को शायद इसलिए हथियारों की सप्लाई कर रहा है, क्योंकि करगिल युद्ध के समय इजरायल ने भारत की सहायता की थी। इस बयान के बाद 25 अगस्त को नई दिल्ली में फिलिस्तीन नेता मोहम्मद मकरम बलावी के साथ अलग–अलग दलों के राजनेताओं की एक बैठक में हुई, जिसमें सपा के राज्यसभा सांसद जावेद अली खान, कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद कुंवर दानिश अली, सपा के लोकसभा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी, पूर्व सांसद और राष्ट्रवादी समाज पार्टी के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद अदीब, आप सांसद संजय सिंह, आप विधायक पंकज पुष्कर, कांग्रेस प्रवक्ता मीम अफजल और जदयू नेता के सी त्यागी शामिल थे। बैठक के बाद सभी नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि इजरायल की तरफ से गजा में किए जा रहे नरसंहार में भारत कतई भागीदार नहीं हो सकता है, इसलिए उसे इजरायल को गोला–बारूद की आपूर्ति नहीं करनी चाहिए। इजरायल की तरफ से जारी यह क्रूर हमला न केवल मानवता का अपमान है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून और न्याय और शांति के सिद्धांतों का भी घोर उल्लंघन है। इस संयुक्त बयान में फिलीस्तीन के साथ भारत के संबंधों की याद दिलाते हुए कहा गया कि भारत को इस बात पर गर्व है कि वह 1988 में फिलिस्तीन को मान्यता देने वाला पहला गैर–अरब देश था। भारत ने फिलिस्तीनी लोगों की संप्रभुता और मुक्ति के अधिकार का लगातार समर्थन किया है। यह बयान इसलिए मायने रखता है क्योंकि इसमें सपा और कांग्रेस के साथ–साथ जदयू नेता के भी हस्ताक्षर हैं। इसे एनडीए में उठते विरोधी सुर की तरह देखा जा रहा है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय मसलों पर भारत में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुटता के साथ फैसले लेने की परिपाटी चलती आई है। आजादी के बाद से अपनाई गई विदेश नीति को थोड़े बहुत फेरबदल के साथ ही संचालित किया जा रहा है।

दिल्ली के हुक्म के खिलाफ श्रीनगर ऊधमपुर की बगावत

राजेंद्र शर्मा

इसी को कहते हैं, पहले ही ग्रास में मक्खी का गिरना। भाजपा को, जम्मू–कश्मीर के विधानसभाई चुनाव के लिए अपनी 44 नामों की पहली सूची, जारी किए जाने के दो घंट बाद ही, हड़बड़ी में वापस भी लेनी पड़ गयी। बाद में राज्य में होने वाले तीन चरणों के चुनाव के पहले चरण के लिए, सिर्फ 15 नामों की सूची दोबारा जारी की गयी। पहले चरण के लिए जारी सभी पंद्रह नाम, अंततरू जारी सूची में जस के तस रहे हैं। बहरहाल, पहली सूची में जारी दूसरे चरण के चुनाव के 10 और तीसरे व अंतिम चरण के चुनाव के 19 उम्मीदवारों के नाम, फिलहाल वापस ले लिए गए हैं। याद रहे कि पहले चरण में कश्मीर घाटी के एक हिस्से और डोडा–किश्तवाड़ में कुल 24 सीटों पर मतदान होना है। हैरानी की बात नहीं होगी कि भाजपा अपनी सारी महत्वाकांक्षाओं और सारे पैंतरों के बावजूद, इस चरण में 15 सीटों पर ही अपने उम्मीदवार उतारने की स्थिति में हो। वास्तव में पहले से इसका अनुमान लगाया जा रहा था कि खासतौर पर कश्मीर घाटी की सीटों पर भाजपा, उल्लेखनीय संख्या में छोटी–छोटी पार्टियों के उम्मीदवारों से लेकर निर्दलीयों तक को अपना समर्थन देकर खड़ा कर सकती है और उनमें से जो भी जीत कर आ जाएं, उनसे चुनाव के बाद की स्थिति में अपने सरकार के गठन को प्रभावित करने में मददगार होने की उम्मीद करेगी। बहरहाल, नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के तमाम शीर्ष नेतृत्व की मोहर के साथ जारी सूची को हाथों–हाथ वापस लिए जाने की नौबत तब आ गयी, जब इस सूची में कुछ प्रमुख नामों की नामौजूदगी समेत, टिकट काटने और देने के कई फैसलों पर, खासतौर पर जम्मू संभाग में पार्टी के कार्यकर्ताओं की नाराजगी का ज्वार फूट पड़ा। भाजपा के जम्मू–कश्मीर राज्य अध्यक्ष, रविंदर राणा और पूर्व उप–मुख्यमंत्रीगण निर्मल सिंह तथा कविंदर गुप्ता के नाम सूची से गायब होने की ओर खासतौर पर पार्टी कार्यकर्ताओं का ध्यान गया था। दूसरी ओर, पिछले ही दिनों नेशनल कान्फ्रेंस से दल–बदलकर भाजपा में आए, केंद्रीय मंत्री डा. जितेंद्र सिंह के भाई, देवेंद्र राणा के जैसे नामों की मौजूदगी भी नाराजगी का कारण बनी थी। और यह नाराजगी खासतौर पर जम्मू में, जहां से ही भाजपा की ज्यादातर उम्मीदें जुड़ी हुई हैं, उग्र विरोध प्रदर्शनों के रूप में सामने आई। इस सिलसिले में यह जोड़ना भी अप्रासांगिक नहीं होगा कि उम्मीदवारों की जिस सूची से बहुत ही अनुशासित होने की दावेदार, भाजपा और उसके पीछे खड़े संघ के कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा, उस पर स्वयं नरेंद्र मोदी की मोहर ही नहीं लगी हुई थी, यह सूची आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक और 2019 के अगस्त के आरंभ में धारा–370 तथा 35ए खत्म किए जाने के साथ ही, जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा ही खत्म कर दिए जाने तथा उसे दो केंद्र–शासित प्रदेशों में बांटे जाने के कदमों से पहले तक, भाजपा के जम्मू–कश्मीर के इंचार्ज रहे, राम माधव को इस चुनाव से ऐन पहले वापस लाकर, राज्य में चुनाव का सर्वे–सर्वा बनाए जाने के बाद आई थी। हैरानी की बात नहीं होगी इस नाराजगी में, दिल्ली से थोपे गए इस आरएसएस प्रचारक के निर्णयों के खिलाफ, खासतौर पर जम्मू के, जाहिर है कि हिंदू कार्यकर्ताओं का असंतोष भी हो। इसलिए, हाथ के हाथ भाजपा को सूची वापस लेकर, सिर्फ चुनाव के पहले चरण के लिए अपने नामों की सूची जारी करनी पड़ी, जिसमें और देरी की कोई गुंजाइश नहीं थी। इस प्रकरण से इसका कुछ अंदाजा तो लगाया ही जा सकता है कि जम्मू में भी, जिसकी हिंदू आबादी के सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के भरोसे ही भाजपा चुनाव लड़ना चाहती है, हालात उसके लिए बहुत अनुकूल नहीं हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि जैसा कि नेशनल कान्फ्रेंस के चुनाव घोषणापत्र पर और उसके साथ चुनाव गठबंधन करने की कांग्रेस तथा कुछ अन्य विपक्षी पार्टियों की घोषणा पर, अमित शाह समेत भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के तीखे हमले से स्पष्ट है, भाजपा इस चुनाव में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के एक प्रमुख औजार के तौर पर, धारा–370 को खत्म करने के मोदी सरकार के श्बड़े कदमश का ही इस्तेमाल करना चाहती है। नेशनल कान्फ्रेंस के साथ कांग्रेस के गठबंधन के ऐलान के फौरन बाद जैसे भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर सवालों के तीर दागे हैं, जिनका सार यही है कि क्या वे नेशनल कान्फ्रेंस की तरह धारा–370 की वापसी के पक्ष में हैं, इसी को उजागर करते हैं। लेकिन, भाजपा के दुर्भाग्य से धारा–370 के खात्मे को लेकर, जम्मू के हिंदू भी अब उतने उत्साहित नहीं रह गए हैं, जितने पांच साल पहले रहे हो सकते हैं। इसकी वजह यह है कि इसके जरिए कथित रूप से जम्मू–कश्मीर के भारत के साथ पूर्ण–एकीकरण के नाम पर, जमीनों तथा नौकरियों के मामले में मूल निवासियों को हासिल सुरक्षा को जिस तरह खत्म किया गया है, उससे जम्मू निवासियों को भी बढ़ते पैमाने पर इसका एहसास हुआ है कि इस सुरक्षा में उनके और कश्मीर के मुसलमानों के यानी जम्मू–कश्मीर निवासियों के साझे हित थे और उनके हितों में जो टकराव दिखाया जाता रहा था, वह झूठा था। यही वह चीज है जो जम्मू में भाजपा के जमीनी नेताओं को, दिल्ली के फरमानों के प्रति ज्यादा से ज्यादा असंतुष्ट और एक हद तक अवज्ञापूर्ण बना रही है। कहने की जरूरत नहीं है कि छरू साल से ज्यादा से राज्य में सीधे दिल्ली का जो शासन चल रहा है, वह न सिर्फ जनविरोधी है बल्कि पूरी तरह से जन–प्रतिनिधित्वहीन भी है, जिसके खिलाफ कश्मीर ही नहीं, जम्मू में भी जनता के बीच काफी आक्रोश है। यह सब मोदी राज की लोगों को प्रभावित करने की सामर्थ्य को कुंद करता है। दूसरी ओर, नेशनल कान्फ्रेंस तथा पीडीपी जैसी, जम्मू–कश्मीर की प्रमुख क्षेत्रीय पार्टियों को, जिनका मुख्य जनाधार कश्मीर घाटी में है, राजनीतिक रूप से अछूत बना देने की संघ–भाजपा की तमाम कोशिशों के बावजूद, तमाम विपक्ष जम्मू–कश्मीर के राज्य के दर्जे तथा इस राज्य के स्थायी निवासियों को हासिल रही सुरक्षाओं की वापसी के सवालों पर एक स्वर से बोल रहा है और इस तरह संघ–भाजपा के प्रचार के हथियारों को भोंथरा कर रहा है। इसके साथ ही चुनावी रूप से भी आम चुनाव के समय रही इंडिया गठबंधन की कतारबंदी को, जहां तक संभव हो जारी रखने की भी कोशिशें की जा रही हैं और यह भाजपा तथा उसके घोषित–अघोषित सहयोगियों का रास्ता और मुश्किल बना देता है। संघ–भाजपा और उसके साथ जुड़ी दिल्ली की मनमानी की चुनौती के खिलाफ विपक्ष की विचारधारात्मक एकता के रूप में गुपकर भावना अब भी सक्रिय है, जिसमें नेशनल कान्फ्रेस तथा पीडीपी जैसी क्षेत्रीय पार्टियों के अलावा कांग्रेस और सीपीएम जैसी राष्ट्रीय पार्टियां भी शामिल हैं। इसी का नतीजा है कि गुपकर गठबंधन की तरह चुनावी तालमेल के रूप में समूचे विपक्ष की एकता भले ही व्यावहारिक नजर नहीं आए और भले ही चुनावी मैदान में पीडीपी के इंडिया गठबंधन से अलग से उतरने की ही ज्यादा संभावना हो और यहां तक कि इंडिया गठबंधन की बाकी पार्टियों के बीच भी जम्मू–कश्मीर की सभी 90 सीटों पर तालमेल में मुश्किलें हों, फिर भी श्साझा शत्रु की पहचान्य पर आधारित विपक्ष की वृहत्तर एकता को भी, अनदेखा नहीं किया जा सकता है। यह अभी भी चुनाव के दौरान विपक्ष के बीच आपसी टकराव के क्षेत्र को कम से कम करने का काम कर सकता है। और इससे भी महत्वपूर्ण रूप से यह चुनाव के बाद, दिल्ली के एजेंट के तौर पर संघ–भाजपा के सत्ता तक पहुंचने का रास्ता तो रोक ही सकता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि 2014 के चुनाव में जम्मू में अपने रिकार्ड प्रदर्शन के बावजूद, भाजपा 25 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर ही पहुंच पाई थी और पीडीपी के नेतृत्व वाली गठजोड़ सरकार के माध्यम से ही पहली बार जम्मू–कश्मीर में उसके हाथ सत्ता तक पहुंच पाए थे, जिसका प्रतिफल दिल्ली के उसके राज ने जम्मू–कश्मीर को छरू साल सीधे अपने तानाशाहीपूर्ण नियंत्रण में रखने और उसके ऊपर से राज्य का विशेष दर्जा खत्म करने, राज्य का दर्जा ही खत्म करने तथा उसके दो टुकड़े कर के दिया था। 2015 में पीडीपी–भाजपा सरकार के बनने के समय, वस्तुगत रूप से गैर–भाजपा सरकार की जो संभावना मौजूद थी और 2018 में जिस संभावना का रास्ता रोकने के लिए ही विधानसभा भंग कर राज्य पर राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था, उस संभावना के वास्तविकता में बदले जाने का आवेग इस बार तो पहले से ही मौजूद है।

बीएसएनएल 4जी का अगले साल मार्च तक पूरी तरह लागू होना संभव

रवींद्र नाथ सिन्हा

केन्द्रीय दूरसंचार विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में संकटग्रस्त सार्वजनिक उपक्रम, गैर–सूचीबद्ध बीएसएनएल के लिए एकमात्र अच्छी बात यह है कि कस्बों और मध्यम आकार के शहरों में रहने वाले अनेक उपयोगकर्ता ट्राई की मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) योजना के तहत अन्य दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से इसमें पोर्ट कर रहे हैं, इसके बावजूद कि 4जी सुविधा टुकड़ों–टुकड़ों में लॉन्च की जा रही है। पिछले 18 महीनों में दूरसंचार विभाग और कंपनी के शीर्ष अधिकारियों द्वारा नयी दिल्ली में आंतरिक बैठकों में बीएसएनएल के 4जी को पूरे भारत में लॉन्च करने की कई तारीखों का उल्लेख किया गया है, लेकिन वे नेक इरादे ही साबित हुए। आधिकारिक सूत्रों से प्राप्त संकेतों और ट्रेड यूनियनों के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दूरसंचार विभाग दिसंबर के अंत तक बीएसएनएल के 4जी को लॉन्च करने के लिए उत्सुक है। यदि एक बार फिर लक्ष्य चूक जाता है, तो दूरसंचार विभाग अगले कार्यक्रम को मार्च में शुरू करने पर अड़ा हुआ है। बीएसएनएल मुख्यालय को यह संदेश दे दिया गया है। इसका एक अर्थ यह है कि बीएसएनएल को मुख्य विक्रेता, टाटा समूह की आईटी दिग्गज टीसीएस द्वारा कार्यान्वयन की गति के बारे में अतिरिक्त सतर्क रहना होगा, जो सॉफ्टवेयर पक्ष की देखभाल कर रही है। टीसीएस द्वारा नियंत्रित तेजस नेटवर्क हार्डवेयर के लिए जिम्मेदार है, जिसे एक लाख साइटों में नवीनतम 4जीध्5जी रेडियो एक्सेस नेटवर्क (आरएएन) की आपूर्ति करना है। दूरसंचार विभाग द्वारा प्रशासित आईटीआई भी काफी हद तक इसमें शामिल है, जिसकी जिम्मेदारियों में इंजीनियरिंग, वार्षिक रखरखाव और आरएएन की कुल आवश्यकता (पश्चिम क्षेत्र के लिए) के 20 प्रतिशत से अधिक की आपूर्ति शामिल है। दूरसंचार विभाग की शाखा सी–डॉट सर्किट–स्विच्ड (सीएस) कोर का प्रभारी है, जो कुछ विरासत प्रणालियों और सभी विशेष अनुप्रयोगों का ख्याल रखता है। इस समय सबसे प्रासंगिक प्रश्न यह है कि क्या अगले सात महीनों में अखिल भारतीय 4जी लॉन्च पर्याप्त गति प्राप्त करेगी ताकि यह वित्तीय रूप से आरामदायक स्थिति में आ सके, विशेषकर दिसंबर के अंत और अगले मार्च के निर्धारित समय सारिणी को ध्यान में रखते हुए? मुख्यतरू तब जबकि अन्य तीन टेलिफोन सेवा प्रदाताओं– रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन, आइडिया–से बीएसएनएल में पोर्टिंग हो रही है। कुछ सकारात्मक बातें हैं जो इस सरकारी कंपनी की मदद कर सकती हैं। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण इसकी टैरिफ रणनीति होगी जो हमेशा की तरह तर्कसंगत, सस्ती और उपयोगकर्ता–प्रेरित होने की उम्मीद है, भले ही इसका लक्ष्य केंद्र के व्यापक संभव कवरेज के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सबसे दूर के ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचना हो। एक प्रमुख तत्व आधारभूत टैरिफ निर्धारण होगा। यह दर कम आय वाले उपयोगकर्ताओं के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है। लाभ के लिए, यह इंटरनेट और अन्य प्रौद्योगिकी–गहन सेवाओं पर भरोसा कर सकता है। जिसका अर्थ है कि यह अन्य सेवा प्रदाताओं के माध्यम से आधारभूत उपयोगकर्ता मूल्य तय करने में उदार हो सकता है। रिलायंस जियो, एयरटेल और वीआई द्वारा 3–4 जुलाई से 10 से 25 प्रतिशत से अधिक की टैरिफ वृद्धि ने उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया को जन्म दिया और बीएसएनएल ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि तब से अब तक 2.5 लाख से अधिक उपयोगकर्ता बीएसएनएल के 4जी में स्थानांतरित हो चुके हैं। 2021 के अंत से परियोजना कार्यान्वयनकर्ताओं द्वारा व्यवस्थित तरीके से काम शुरू किये जाने के बाद जैसे–जैसे टुकड़ों में लॉन्च ने गति पकड़ी, 2023 के अंत में लगभग आठ लाख ग्राहक इसमें शामिल हो गये। सीटू से संबद्ध बीएसएनएल कर्मचारी संघ के महासचिव पेरुमल अभिमन्यु के अनुसार, यदि एमएनपी के तहत पोर्टिंग और नये ग्राहक जोड़ने को एक साथ माना जाता है, तो इस पीएसयू ने पंजाब, हरियाणा, हिमाचल और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में लगभग 25 लाख उपयोगकर्ता प्राप्त किये हैं। अभिमन्यु ने संवाद को बताया, श्आखिरकार कुछ अच्छा हो रहा है। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) से सम्बद्ध भारतीय दूरसंचार कर्मचारी संघ के महासचिव आर सी पांडे ने संवाद को बताया कि एक लाख बेस ट्रांससीवर स्टेशन (बीटीएस) स्थापित करने के लक्ष्य पर काम में तेजी आने से आखिरकार परिणाम सामने आ रहे हैं। इस संदर्भ में, उत्पल घोष दस्तीदार, जो यहां लंबे समय से बीएमएसटीयू शाखा से जुड़े हुए हैं, ने इस संवाददाता को एक दिलचस्प बात बताई कि पर्यटक हमेशा बीएसएनएलसिम (ग्राहक पहचान मॉड्यूल) रखना पसंद करते हैं, भले ही वह दूसरे एक्सेस फैसिलिटेटर के रूप में ही क्यों न हो, क्योंकि दूरदराज के इलाकों में भी बीएसएनएल टावर उपलब्ध हैं। घोष दस्तीदार ने कहा कि पर्यटन अर्थव्यवस्था का एक बढ़ता हुआ क्षेत्र है और बीएसएनएल संचार यातायात में वृद्धि का एक हिस्सा हासिल करने की उम्मीद कर सकता है। लेकिन, दूरसंचार हलकों में आम राय है कि कुछ अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद, एकमात्र पीएसयू सेवा प्रदाता के लिए यह लंबी अवधि की यात्रा होगी क्योंकि पिछले 8–10 वर्षों में गिरावट इतनी तेज रही है कि अगले तीन–चार वर्षों में दूरसंचार कंपनियों के बीच तीसरा स्थान हासिल करना भी इस समय मुश्किल लग रहा है। वर्तमान में, बाजार हिस्सेदारी के मामले में बीएसएनएल रिलायंस जियो, एयरटेल और वीआई के बाद चौथे स्थान पर है। यूनियन सूत्रों का मानना है कि अगर यह तीन–चार साल की समय–सीमा में मौजूदा आठ प्रतिशत से 15प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी हासिल कर लेता है तो यह एक उपलब्धि होगी। इसके लिए पुराने लैंडलाइन ग्राहकों को वापस जीतने और नये ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए एक साथ अभियान चलाना होगा, खासकर कॉरपोरेट सेक्टर से। प्रतिस्पर्धी टैरिफ निर्धारण इस दिशा में इसके प्रयासों में मदद कर सकता है। वायरलाइन सेगमेंट के लिए नये सिरे से अभियान महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि बीएसएनएल से लगातार अन्य निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनियों के चले जाने से इसके लैंडलाइन ग्राहकों की संख्या में भारी कमी आई है।

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में एक्ट्रेस का होता था शोषण, काला चिट्ठा खुलने पर बुरा फंसा मशहूर डायरेक्टर

यौन उत्पीड़न को लेकर मलयालम फिल्म इंडस्ट्री इस समय पूरी हिल चुकी है। न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट में महिलाओं के उत्पीड़न के चौंकाने वाले खुलासों का सामना कर रहे मलयालम फिल्म उद्योग में उस समय और खलबली मच गयी, जब अन्य महिला कलाकार भी यौन उत्पीड़न के आरोपों के साथ सामने आईं। कुछ फिल्मों में नजर आ चुकीं अभिनेत्री मीनू मुनीर ने अभिनेता से विधायक बने एम. मुकेश, जयसूर्या, मणियांपिल्ला राजू और इदावेला बाबू के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगाए। वहीं पुलिस ने डायरेक्टर और केरल राज्य चलचित्र अकादमी के अध्यक्ष रंजीत आईपीसी की धारा 354 (किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल) के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं, एक अन्य प्रसिद्ध अभिनेत्री ने भी एक प्रसिद्ध फिल्म निर्माता पर कई साल पहले दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। फिल्म निर्माता ने आरोपों से इनकार किया है। मीनू मुनीर ने फेसबुक पर एक पोस्ट में आरोप लगाया–''मैं मलयालम फिल्म उद्योग में मुकेश, मणियांपिल्ला राजू, इदावेला बाबू, जयसूर्या, चंद्रशेखरन, प्रोडक्शन सहायक नोबल और विचू द्वारा मेरे साथ किए गए शारीरिक और मौखिक दुर्व्यवहार की घटनाओं के बारे में पुलिस को बयान देने को तैयार हूं। उन्होंने दावा किया, –''वर्ष 2013 में, एक फिल्म पर काम करते समय मुझे इन व्यक्तियों द्वारा शारीरिक और मौखिक दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा था। मणियांपिल्ला राजू को छोड़कर किसी भी अभिनेता ने मुनीर के आरोपों का जवाब नहीं दिया है। इसके अलावा एक जूनियर कलाकार ने अभिनेता बाबूराज पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। 'मलयालम मूवी आर्टिस्ट एसोसिएशनश (एएमएमए) के पदाधिकारी बाबूराज ने आरोपों को खारिज करते हुए संदेह जताया कि फिल्म उद्योग में निहित स्वार्थ इसके पीछे हैं। उन्होंने दावा किया कि यह आरोप उन्हें एएमएमए का महासचिव बनने से रोकने का एक प्रयास था। अभिनेत्री द्वारा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के विधायक मुकेश के खिलाफ आरोप लगाए जाने के कुछ घंटों बाद युवा मोर्चा और महिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कोल्लम में अभिनेता के आवास की ओर अलग–अलग मार्च निकाले और उनके खिलाफ मामला दर्ज किए जाने तथा उनसे इस्तीफा देने की मांग की। बहरहाल, कोल्लम के विधायक ने अभी इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता वी.डी.सतीसन ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य की वाम सरकार मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने वालों को बचाने की कोशिश कर रही है और इसलिए न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट पर जांच की पहल नहीं कर रही। इस बीच, अभिनेता मणियांपिल्ला राजू ने मलयालम फिल्म उद्योग में सामने आ रहे आरोपों की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि कई और खुलासे होंगे और उनके पीछे कई हित शामिल होंगे। राजू ने कहा–''कुछ लोग स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। आरोपियों में निर्दोष और दोषी दोनों होंगे। इसलिए एक विस्तृत जांच जरूरी है। इससे एक दिन पहले, यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए जाने के बाद फिल्म निर्माता रंजीत ने केरल चलचित्र अकादमी के अध्यक्ष पद से और अभिनेता सिद्दीक ने 'एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्सश (एएमएमए) के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। वर्ष 2017 में एक अभिनेत्री पर हमले के बाद केरल सरकार द्वारा गठित न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट में मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के उत्पीड़न व शोषण के मामलों का खुलासा किया गया है, जिसके बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

> मीनू मुनीर ने फेसबुक पर एक पोस्ट में आरोप लगाया–''मैं मलयालम फिल्म उद्योग में मुकेश, मणियांपिल्ला राजू, इदावेला बाबू, जयसूर्या, चंद्रशेखरन, प्रोडक्शन सहायक नोबल और विचू द्वारा मेरे साथ किए गए शारीरिक और मौखिक दुर्व्यवहार की घटनाओं के बारे में पुलिस को बयान देने को तैयार हूं।

रामलीला के मशहूर गाने 'राम चाहे–लीला चाहे' के लिए किया गया था कंगना रनौत को अप्रोच, एक्ट्रेस ने किया खुलासा

अभिनेत्री कंगना रनौत ने दावा किया कि उन्होंने बजरंगी भाईजान, सुल्तान और संजू में काम करने से इनकार कर दिया। उनके बयानों ने दर्शकों को चौंका दिया। खैर, अब अभिनेत्री ने कहा है कि उन्हें रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण की राम लीला में एक डांस नंबर की पेशकश की गई थी, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया और पूछा कि वे ऐसी महिलाओं को कैसे चित्रित कर सकती हैं। एनबीटी एंटरटेनमेंट न्यूज पोर्टल के साथ एक साक्षात्कार में, क्वीन स्टार ने कहा कि यहां तक कि संजय लीला भंसाली ने भी उन्हें राम लीला में एक आइटम नंबर के लिए बुलाया था। उन्होंने यहां तक कहा कि सभी ने कहा कि उन्हें मना करने के लिए वह पागल थी और उन्होंने कहा कि वह यह नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि चाहे भंसाली हों या कोई और, वह ऐसा नहीं कर सकती। कंगना का यह साक्षात्कार सोशल मीडिया और रेडिट पर वायरल हो गया है। एक प्रशंसक ने पोस्ट पर टिप्पणी की और कहा, श्संजय लीला भंसाली ने कहा कि ऐश्वर्या को यह गाना प्रियंका को दिए जाने से पहले ऑफर किया गया था। प्रियंका इस गाने में कमाल की दिखीं और यह कल्पना करना असंभव है कि कंगना रनौत इस गाने के साथ वैसा ही न्याय कर पाएंगी। खैर, कुछ दिनों पहले कंगना ने कहा था कि उन्होंने सलमान और रणबीर कपूर की फिल्म का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया था। सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में कंगना ने सलमान को दयालु बताया और कहा कि उन्होंने उन्हें बजरंगी भाईजान में एक रोल ऑफर किया और पूछा कि यह रोल क्या है? उन्होंने यह भी कहा कि सलमान ने उन्हें सुल्तान के लिए अप्रोच किया था और उन्होंने इसे नहीं किया। उन्होंने कहा कि सलमान ने कहा कि अब वह उन्हें और क्या ऑफर कर सकते हैं? कंगना ने यह भी कहा कि रणबीर चाहते थे कि वह उन्हें संजू में कास्ट करें और उन्होंने इसका हिस्सा बनने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि रणबीर उनके घर आए और उनसे अनुरोध किया। कंगना ने याद किया कि कैसे अक्षय कुमार ने उन्हें फोन किया और पूछा कि क्या उन्हें उनसे कोई परेशानी है क्योंकि वह उनके साथ फिल्में नहीं करती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो कंगना 6 सितंबर को इमरजेंसी में नजर आएंगी।

एक्टिंग छोड़ बिजनेसवुमेन बनीं दीपिका कक्कड़

ससुराल सिमर का की सिमर यानी दीपिका कक्कड़ मदरहुड एन्जॉय कर रही है। मां बनने के बाद छोटे पर्दे से दूर है लेकिन व्लॉग के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। हाल ही में दीपिका की ननद सबा इब्राहिम ने अपना खुद का रेस्टोरेंट खोला। वहीं अब दीपिका भी बिजनेस में किस्मत आजमाने जा रही है। दीपिका ने अपने लेटेस्ट व्लॉग में गुड न्यूज देते हुए एक नए सफर को शुरू करने की जानकारी दी है। दीपिका खुद का क्लोदिंग ब्रांड खोल रही है जो सिर्फ महिलाओं के लिए है। अपने व्लॉग में दीपिका ने बताया, हम लोग महिलाओं के लिए एक क्लोदिंग लाइन लेकर आ रहे हैं। पिछले इतने समय से मैं इतनी बिजी थी। सूरत गई थी, वो सब इसी सिलसिले में था। मेरे मन में बहुत समय से यह एक चीज थी कि मुझे ये करना है। यह एक ऐसी चीज है, जो मुझे बहुत पसंद है। मेरा पैशन है और आपको वही काम करना चाहिए जो आपको खुशी देता है। दीपिका बताती है कि वह पिछले डेढ़–दो साल से इसे लेकर प्लानिंग कर रही थी लेकिन बेटे रुहान को समय देने के चलते ज्यादा ध्यान नहीं दे पा रही थी पर अब उनका यह सपना पूरा हो चुका है। उनका ब्रांड ऑनलाइन है और जल्द ही इसका स्टोर भी खोलेंगी। दीपिका ने बताया कि शोएब ने उनका काफी सपोर्ट किया है। दीपिका का शुरू से एक बिजनेसवुमन बनने का सपना रहा है। जिसे दीपिका ने पूरा कर लिया है। फिलहाल अभी तक उन्होंने क्लोदिंग ब्रांड लॉन्च नहीं किया है। वह जल्द ही क्लोदिंग ब्रांड का नाम और लॉन्च डेट अनाउंस करेंगी। बता दें टीवी इंडस्ट्री में ऐसी बहुत सी एक्ट्रेसेस हैं जिन्होंने अपनी एक्टिंग से तो नाम और शोहरत कमाई ही वहीं बिजनेसवुमेन बनकर भी लाखों–करोड़ों कमा रही है। आशिका गोराडिया एक्टिंग से दूर अपना खुद का कॉस्मेटिक ब्रांड RENEE चला रही है। जिससे वह करोड़ों की कमाई कर रही है। सना खान शोबिज से दूर हैं लेकिन अबाया ब्रांड की मालकिन है। इसके अलावा वह एक ब्यूटी क्लिनिक भी चला रही है।

मोहिनी कुमारी खुद का यूट्यूब चौनल चलाती हैं। जिससे वह अच्छी कमाई कर रही है।

'स्त्री 2' ने जन्माष्टमी के मौके पर देश में 500 करोड़ क्लब में मारी एंट्री, वर्ल्डवाइड 600 करोड़ की दहलीज पर

स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस रिकॉर्डः श्रद्धा कपूर और रा[illegible] राव की मुख्य भूमिका वाली यह हॉरर कॉमेडी हर दिन [illegible] ऑफिस पर नए रिकॉर्ड बना रही है। हाल ही में इस फिल्म ने 400 करोड़ के प्रतिष्ठित क्लब में प्रवेश किया है और अब यह 500 करोड़ के आंकड़े को पार करने के लिए तैयार है। अमर कौशध्कि के डायरेक्ध्शन में बनी यह हॉरर–कॉमेडी एक ओर जहां 600 करोड़ क्ध्लब की दहलीज पर खड़ी है, वहीं देश में सबसे अध्धिक कमाई करने वाली टॉप–10 फिल्मों की लिस्ट में भी एंट्री करने वाली है। 15 अगस्त को फिल्म की दुनिया भर में रिलीज के बाद से स्त्री 2 ने अपने नाम कई रिकॉर्ड दर्ज किए हैं। हमने स्त्री 2 के अब तक के कुछ बड़े रिकॉर्ड सूचीबद्ध किए हैं। स्त्री 2 के बड़े रिकॉर्ड 200 करोड़ क्लब – हॉरर कॉमेडी को 200 करोड़ क्लब में प्रवेश करने में सिर्फ चार दिन लगे, जो इस शैली की किसी भी फिल्म के लिए सबसे तेज है। कुल मिलाकर, यह शाहरुख खान की जवान और पठान और रणबीर कपूर की [illegible] के बाद चौथे स्थान पर है। दूसरा रविवार – स्त्री [illegible] मामले में तालिका में शीर्ष पर है क्योंकि फिल्म ने अपने दूसरे रविवार को 40.75 करोड़ रुपये कमाए, जिसने गदर 2, बाहुबली 2 (हिंदी), जवान और एनिमल जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया।

दूसरा सोमवार – अमर कौशिक निर्देशित इस फिल्म ने अपने दूसरे सोमवार को 20.20 करोड़ रुपये कमाए, जिसने सलमान खान और कैटरीना कैफ अभिनीत टाइगर ज़िंदा है के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

11 दिनों के बाद कलेक्शन – स्त्री 2 इस श्रेणी में शाहरुख खान की जवान से ठीक पीछे दूसरे स्थान पर है। सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के 11 दिनों के बाद, फिल्म ने एनिमल, गदर 2 और पठान को पीछे छोड़ते हुए 401.65 करोड़ रुपये कमाए।

सबसे तेज़ 300 करोड़ रुपये – स्त्री 2 जवान, पठान, एनिमल और गदर 2 से पीछे रहकर पाँचवीं सबसे तेज़ 300 करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म बन गई। स्त्री 2 को 300 करोड़ रुपये के प्रतिष्ठित क्लब में प्रवेश करने में सिर्फ़ नौ दिन लगे।

सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फ़िल्म – हर दिन रिकॉर्ड तोड़ कमाई के साथ, स्त्री 2 अब 2024 की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फ़िल्म बन गई है, जिसने ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फ़ाइटर को पीछे छोड़ दिया है।

2 करोड़ से ज़्यादा दर्शक – अपने 12वें दिन लगभग 1 मिलियन टिकट बेचने के बाद, स्त्री 2 2024 की दूसरी भारतीय फ़िल्म बन गई है, जिसने 2 करोड़ से ज़्यादा टिकट बेचे हैं, जो सिर्फ़ कल्कि 2898 AD से पीछे है।

बैचलर पार्टी को इंजॉय करने के लिए इन 3 जगहों पर प्लान करें ट्रिप, जिंदगी भर याद रहेगी ट्रिप

शादी का दिन हर किसी के लिए सबसे ज्यादा खास होता है। वहीं शादी से पहले का समय हर किसी के लिए बेहद खास होता है। शादी से पहले के पलों को इंजॉय करने के लिए लोग शादी से पहले सिंगल लाइफ को इंजॉय करते हैं। शादी से पहले लोग अपने दोस्तों के साथ बैचलर पार्टी प्लान करते हैं, जो खुशी दिखाने का बेहतरीन तरीका होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपने दोस्तों के साथ बैचलर पार्टी करने जा सकते हैं। ट्रिप इंजॉय करने के साथ ही आप दोस्तों के साथ यहां घंटों पार्टी कर सकते हैं।

मनाली

दोस्तों के साथ बजट में बैचलर पार्टी इंजॉय करनी है, तो आपके लिए मनाली बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। अगर आप प्रकृति प्रेमी है, तो रोमांचक एक्टिविटी का आनंद लेने के लिए यह जगह परफेक्ट है। मनाली सुंदर वादियों और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए जाना जाता है। आप यहां पर रात भर दोस्तों के साथ पार्टी और खूब मस्ती कर सकते हैं। इतनी सुंदर जगह पर बैचलर लाइफ को अलविदा कहना हर किसी के लिए यादगार रहेगा।

होटल और होमस्टे– 1500 से 4000 रुपये के बीच आसानी से मिल जाएंगे।

कुल खर्च– लगभग 15,000–20,000 रुपये प्रति व्यक्ति आएगा, जिसमें ट्रैवल, स्टे और एक्टिविटी का खर्च शामिल है।

लेह–लद्दाख

अगर आप अपनी बैचलर पार्टी को रोमांचक बनाना चाहते हैं, तो लेह–लद्दाख ट्रिप प्लान कर सकते हैं। ऐसा जरूरी नहीं है कि बैचलर पार्टी सिर्फ खाने–पीने और डांस करने वाली ही हो। बल्कि आप इस ट्रिप पर जाकर अपने दोस्तों के साथ सेलिब्रेट भी कर सकते हैं। यह एक अनोखा डेस्टिनेशन है, जहां पर आप सुकून के पल बिताने के साथ–साथ एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं। बैचलर लाइफ को इंजॉय करने के लिए आपको इससे अच्छी जगह नहीं मिलेगी।

बता दें कि आप यहां पर खूबसूरत झील के किनारे कैंपिंग कर सकते हैं और रात में पार्टी कर सकते हैं।

खर्च– करीब 25,000–35,000 रुपये प्रति व्यक्ति आ सकता है, जिसमें ट्रैवल, रुकने और एक्टिविटी का खर्च शामिल है।

गोवा

अगर बैचलर पार्टी की बात हो और गोवा का नाम न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता है। गोवा एक बहुत सुंदर शहर है, जो आपकी बैचलर लाइफ को यादगार बना देगी। ऐसे में शादी से पहले आपको एक बार गोवा जरूर जाना चाहिए। इसके अलावा आप ऊटी, मुन्नार और कुर्ग जैसी जगहों पर भी बैचलर ट्रिप प्लान कर सकते हैं।

कुल खर्च– लगभग 20,000–30,000 रुपये प्रति व्यक्ति, जिसमें ट्रैवल, रुकने और एक्टिविटी का खर्च शामिल है।

मिनी हार्ट अटैक को ना करें अनदेखा, समय पर इलाज जरूरी नहीं तो...

हमारे दिल की सेहत पर न सिर्फ खानपान, बल्कि जीवनशैली का भी गहरा असर पड़ता है। मिनी हार्ट अटैक, जिसे श्साइलेंट हार्ट अटैकश भी कहा जाता है, दिल की गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकता है, और यह बिना किसी चेतावनी के भी आ सकता है। हार्ट एक्सपर्ट के अनुसार, मिनी हार्ट अटैक की पहचान करना और समय पर उपचार लेना महत्वपूर्ण होता है। यह लेख मिनी हार्ट अटैक के सामान्य लक्षणों, उन लोगों के लिए विशेष जोखिम और इस स्थिति से बचाव के उपायों पर ध्यान केंद्रित करता है। जानिए कैसे आप मिनी हार्ट अटैक के संकेतों को पहचान सकते हैं और अपने दिल की सेहत को बनाए रख सकते हैं।

मिनी हार्ट अटैक क्या है?

हार्ट एक्सपर्ट अवधेश शर्मा के अनुसार, षमिनी हार्ट अटैक को कम गंभीरता वाला हार्ट अटैक माना जाता है। इस दौरान धमनियों में किसी प्रकार की रुकावट नहीं आती है। हार्ट की आवश्यकता के मुकाबले, मांसपेशियों को ब्लड की 20 से 30 प्रतिशत आपूर्ति की जाती है।ष

मिनी हार्ट अटैक के लक्षण

पेट में परेशानी

मिनी हार्ट अटैक के दौरान गैस, बदहजमी, पेट में जलन और पेट का भारी होना जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं। यह स्थिति आमतौर पर गैस की समस्या के रूप में देखी जाती है, लेकिन यह मिनी हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है।

सांस फूलना

चलने–फिरने के दौरान सांस फूलने की समस्या मिनी हार्ट अटैक का एक प्रमुख लक्षण है। लोग अक्सर इसे लंग्स की कमजोरी से जोड़ते हैं, लेकिन यह वास्तव में मिनी हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है।

घबराहट महसूस होना

मिनी हार्ट अटैक आने पर बिना किसी स्पष्ट कारण के घबराहट महसूस होती है। साथ ही, व्यक्ति का मन काफी बेचैन रहता है, जो इस स्थिति का एक और संकेत हो सकता है।

कमजोरी महसूस होना

बिना किसी कारण के कमजोरी महसूस होना भी मिनी हार्ट अटैक का एक लक्षण हो सकता है। यह स्थिति व्यक्ति को चलने–फिरने में परेशानी दे सकती है।

छाती में असहजता

छाती में असहजता या दबाव की अनुभूति भी मिनी हार्ट अटैक का एक संकेत हो सकता है। यह महसूस हो सकता है कि छाती पर भारीपन या जकड़न हो रही है।

दर्द की असामान्य स्थिति

कभी–कभी, मिनी हार्ट अटैक के दौरान दर्द गर्दन, पीठ, या बाहों में भी महसूस हो सकता है। यह दर्द अचानक और असामान्य हो सकता है, जो आमतौर पर दिल की समस्याओं से जुड़ा होता है।

पसीना आना

मिनी हार्ट अटैक के दौरान अत्यधिक पसीना आना भी एक लक्षण हो सकता है। यह पसीना ठंडा और चिपचिपा हो सकता है, जो सामान्य स्थितियों में नहीं होता है।

उल्टी का आना

कुछ लोगों को मिनी हार्ट अटैक के दौरान मतली या उल्टी की अनुभूति हो सकती है। यह लक्षण पेट में असहजता के साथ भी जुड़ा हो सकता है।

किन लोगों को है अधिक खतरा?

मिनी हार्ट अटैक का सबसे अधिक खतरा उन लोगों को होता है जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है, डायबिटीज के मरीज हैं या बुजुर्ग हैं। इसके अतिरिक्त, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल, और तनाव भी मिनी हार्ट अटैक के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इस प्रकार के लोगों को नियमित रूप से हार्ट चेकअप करवाना चाहिए और अपनी सेहत पर विशेष ध्यान रखना चाहिए।

मिनी हार्ट अटैक से बचाव के उपाय

– स्वस्थ आहारः संतुलित आहार लेना, जिसमें फल, सब्जियां, और साबुत अनाज शामिल हों, दिल की सेहत के लिए फायदेमंद है।

– नियमित व्यायामः रोजाना कम से कम 30 मिनट तक व्यायाम करने से दिल की सेहत बेहतर रहती है।

– तनाव प्रबंधनः योग, ध्यान और तनाव प्रबंधन तकनीकों का पालन करें।

– धूम्रपान और शराब का सेवन कम करेंरू इन आदतों से दिल की सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

मिनी हार्ट अटैक के लक्षणों को पहचानना और समय पर उपचार लेना अत्यंत महत्वपूर्ण है। अगर आपको इन लक्षणों में से कोई भी महसूस हो, तो तुरंत चिकित्सा सहायता प्राप्त करें और अपनी सेहत पर ध्यान दें। मिनी हार्ट अटैक की स्थिति को गंभीरता से लेकर उचित कदम उठाना, आपके दिल की सेहत के लिए लाभकारी हो सकता है।

दिनभर फोन चलाने से शरीर का हो रहा बुरा हाल! महिलाओं से ज्यादा पुरुषों को अलर्ट रहने की जरूरत

इन दिनों दुनिया भर में मोबाइल फोन और गैजेट्स इस कदर इंसान पर हावी हो गए हैं कि वह इसके बिना जिंदगी जीना ही भूल गया है। कुछ लोग तो अपने मोबाइल के बीना एक पल भी नहीं रह सकते हैं। इस बात से कोई भी अंजान नहीं है कि ये सब चीजें हमें किस कदर नुकसान पहुंचा रही हैं बावजूद इसके हम गैजेट्स से दूरी बनाने की सोच भी नहीं सकते हैं। अब हाल ही में वैज्ञानिकों ने इसे लेकर चेतावनी जारी की है।

ज्यादा स्क्रीन देखने की आदत खतरनाक

एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि कम उम्र या 20 साल की आयु तक ज्यादा स्क्रीन देखने से दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। जर्नल ऑफ जनरल इंटरनल मेडिसिन में यह शोध प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने 4318 युवा वयस्कों पर अध्ययन किया। इसमें पता चला कि उन लोगों में दिल का दौरा पड़ने की संभावना अधिक है, जिन्होंने 20 साल की उम्र में मोबाइल या टीवी देखने में बहुत समय बिताया था।

पुरुषों के लिए ज्यादा खतरा

अध्ययन में कुल 54.9 फीसदी महिलाएं और 45.1 पुरुष प्रतिभागी शामिल हुए। इसमें पुरुषों में महिलाओं की अपेक्षा अधिक सीवीडी के खतरे देखे गए। उनमें दिल के दौरे पड़ने की संभावना 50 फीसदी और स्ट्रोक की 56 फीसदी स्थिति पाई गई। साथ ही उच्च रक्तचाप, मधुमेह से पीड़ित नजर आए। शोध के दौरान यह भी देखा गया कि स्क्रीन टाइम सिर्फ युवास्था में खतरनाक नहीं था, बल्कि 30 वर्ष के आयु पर भी असर देखा गया।

शारीरिक गतिविधियों में हो रही कमी

अध्ययन के दौरान पाया कि जिन लोगों ने अधिक समय तक टीवी या मोबाइल देखा, उनमें हर अतिरिक्त घंटे में हृदय रोग विकसित होने की संभावना 26: अधिक थी। लगातार लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठना, खासकर कंप्यूटर, स्मार्टफोन, या टेलीविजन के सामने, शारीरिक गतिविधियों में कमी और अनहेल्दी लाइफस्टाइल की आदतों को जन्म दे सकता है। ज्यादा स्क्रीन टाइम का मतलब है कि आप शारीरिक रूप से कम एक्टिव रहते हैं। कम गतिविधि से शरीर में कैलोरी बर्न नहीं होती, जिससे वजन बढ़ सकता है। बढ़ा हुआ वजन और मोटापा दिल की बीमारियों के प्रमुख कारणों में से एक हैं।

स्ट्रेस और एंग्जाइटी

लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से मानसिक तनाव और एंग्जाइटी का स्तर बढ़ सकता है। यह स्ट्रेस हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है, जो हार्ट डिजीज का जोखिम बढ़ाता है। स्क्रीन टाइम के दौरान अक्सर लोग अनहेल्दी स्नैक्स का सेवन करते हैं, जैसे जंक फूड, मीठे पेय पदार्थ, आदि। ये आदतें दिल की सेहत के लिए हानिकारक हो सकती हैं, खासकर अगर यह नियमित हो जाए।

नींद की कमी

ज्यादा स्क्रीन टाइम, खासकर सोने से पहले, नींद की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। खराब नींद और अनियमित नींद दिल की समस्याओं का कारण बन सकती है। लंबे समय तक एक ही जगह पर बैठकर स्क्रीन देखने से ब्लड सर्कुलेशन पर असर पड़ता है। यह स्थिति थ्रोम्बोसिस (रक्त के थक्के जमना) जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है, जो दिल के लिए खतरनाक हो सकती है।

कैसे करें बचाव

–हर 30–60 मिनट के बाद स्क्रीन से ब्रेक लें और थोड़ी देर के लिए चलें।

–रोजाना कम से कम 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि करें, जैसे वॉकिंग, जॉगिंग, या योग।

–स्क्रीन टाइम के दौरान हेल्दी स्नैक्स का सेवन करें, जैसे फल, नट्स, या सलाद।

–कोशिश करें कि स्क्रीन के सामने बिताया गया समय सीमित हो। खासकर सोने से पहले स्क्रीन का उपयोग न करें।

–अपने दिल की सेहत को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से हेल्थ चेकअप कराएं।

कहीं आप भी मनी प्लान्ट लगाते समय करते हैं ये गलतियां, ग्रोथ से पहले ही खत्म हो जाएगा प्लांट

अब हर घर में मनी प्लांट का पौधा जरुर लगा रहता है। यह खूबसूरती के साथ ही घर में बरकत भी करता है। मनी प्लांट को डेकोरेशन के साथ ही वास्तु के चलते भी इसे घर में लगाना पसंद करते हैं।

क्या आप जानते हैं कि मनी प्लांट लगाने के दौरान और प्लांटेशन के बाद इसकी देखरेख पर ध्यान देना बेहद जरुरी है। अगर आप इन बातों को ध्यान रखेंगे कि तो आपका मनी प्लांट को बेहतर ग्रोथ मिलेगा। अगर ध्यान नहीं रखेंगे तो इसकी बेल सूखकर खत्म हो जाएगी। यह लोकप्रिय प्लांट हर घर में जरुर लगा रहता है क्योंकि इसे धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। मनी प्लांट लगाने में कुछ गलतियां होती है जिस वजह से पौधा सही रुप से विकसित नहीं हो पाता।

मनी प्लांट लगाने में होने वाली गलतियां

ज्यादा पानी देना

वैसे मनी प्लांट को ज्यादा पानी की जरुरत नहीं होती है। अगर आप इसे ज्यादा पानी देंगे तो मनी प्लांट की जड़े सड़ जाएगी और पौधा मर जाएगा।

समाधान – मिट्टी को हमेशा थोड़ी सी नम रखें। अगर मिट्टी सूखी हो तभी पौधे को पानी दें।

कम रोशनी

आपको बता दें कि, मनी प्लांट को उजाले की जरुरत होती है, लेकिन इसे सीधे धूप से बचाएं। वहीं, कम रोशनी में मनी प्लांट की पत्तियां पीली पड़ जाती है और पौधा कमजोर हो जाता है।

समाधान – मनी प्लांट को ऐसी जगह रखें जहां पर्याप्त अप्रत्यक्ष सूर्य का प्रकाश मिले।

गलत मिट्टी का चयन

मनी प्लांट को सबसे अच्छी और जल निकास वाली मिट्टी का जरुरत होती है। भारी मिट्टी से पानी रुक जाता है जिसके बाद जड़े सड़ जाती है।

समाधान – आप बाजार में मौजूद तैयार मिट्टी का मिश्रण खरीद सकते हैं या घर पर ही मिट्टी, रेत और खाद मिलाकर तैयार कर सकते हैं।

पोषण भी जरुरी

अगर आप मनी प्लांट को सही समय पर उर्वरक नहीं देते

हैं तो पौधा मुरझा जाता है। खासकर सर्दियों के मौसम में खाद जरुरी है।

समाधान – बाजार में उपलब्ध तरल उर्वरक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ठंडा तापमान

कभी भी मनी प्लांट को ठंडा तापमन नहीं रखें। ज्यादा ठंडे मौसम में पौधे की पत्तियां गिर जाती है।

समाधान– पौधे को ठंडी हवा और ड्राफ्ट से दूर रखें।

संक्षिप्त

रुपया शुरुआती कारोबार में दो पैसे की गिरावट के साथ 83.95 प्रति डॉलर पर

घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में दो पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.95 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया 83.94 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.95 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो उसके पिछले बंद भाव से दो पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.93 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.72 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 79.66 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में मंगलवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,503.76 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर खरीदे।

एआई के बड़े कदमों के बीच टेक दिग्गज ने 100 डिजिटल सेवा नौकरियों में कटौती की

टेक दिग्गज कंपनी ऐप्पल ने अपने डिजिटल सेवा समूह में कई लोगों को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी ने लगभग 100 पदों पर लोगों को नौकरी से हटाया है। इसमें सबसे बड़ी कटौती ऐप्पल बुक्स ऐप और ऐप्पल बुकस्टोर में की गई है। इस कटौती के बाद ऐप्पल बुक्स ऐप और ऐप्पल बुक स्टोर में टीम पर काफी प्रभाव पड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया कि छंटनी में कुछ इंजीनियर विभाग के लोगों पर असर हुआ है। ऐप्पल में इंजीनियरिंग भूमिकाएँ और ऐप्पल न्यूज़ चलाने वाली टीम जैसी अन्य सेवा टीमें शामिल हैं। हालाँकि, यह स्पष्ट नहीं था कि ऐप्पल के सेवा प्रभाग में कितने कर्मचारी हैं। ऐप्पल की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 30 सितंबर, 2023 तक उसके पास लगभग 161,000 पूर्णकालिक समकक्ष कर्मचारी थे। ऐप्पल अपनी प्राथमिकताओं में बदलाव के बीच टीमों का पुनर्गठन कर रहा है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी शामिल है। कंपनी ने पहले अपने अगले हाई–एंड विज़न हेडसेट पर काम को निलंबित कर दिया था और इस साल की शुरुआत में अपने खुद के स्मार्टवॉच डिस्प्ले को डिजाइन और विकसित करने के लिए एक प्रोजेक्ट को बंद कर दिया था, ऐसा बताया गया था। यह बात ऐसे समय में सामने आई है जब एप्पल को पिछले वर्ष से ही अपने तीसरे सबसे बड़े बाजार चीन में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जहां पिछली तिमाही में बिक्री में 6.5प्रतिशत की गिरावट आई है।

भारती एयरटेल की शेयर पुनर्खरीद के बाद इंडस टावर्स में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी होगी

दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल की 2,640 करोड़ रुपये की शेयर पुनर्खरीद योजना पूर्ण होने पर इंडस टावर्स में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी होगी। भारती एयरटेल ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, दूरसंचार अवसंरचना

क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंडस टावर्स ने 14 अगस्त को 465 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 5.67 करोड़ से अधिक शेयर की पुनर्खरीद शुरू की, जो कंपनी की चुकता शेयर पूंजी में कुल शेयर की संख्या का करीब 2.107 प्रतिशत है। कंपनी सूचना के अनुसार, ''...इंडस टावर्स द्वारा 27 अगस्त 2024 को जारी सूचना के अनुसार....इंडस टावर्स में कंपनी की शेयरधारिता उसकी चुकता शेयर पूंजी के 50 प्रतिशत से अधिक (यानी करीब 50.005 प्रतिशत) हो जाएगी, जो कि शेयर पुनर्खरीद योजना के लिए निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रासंगिक गतिविधियों के पूरा होने के अधीन है।'' भारती एयरटेल के पास वर्तमान में इंडस टावर्स में 48.95 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इंडस टावर्स ने बीएसई द्वारा बोलियों के निपटान की अंतिम तारीख 28 अगस्त तय की है।

एयरटेल Wynk Music ऐप बंद करेगी, सभी कर्मचारियों को समायोजित किया जाएगा

नयी दिल्ली। भारती एयरटेल संगीत खंड से बाहर निकलते हुए अपना विंक म्यूजिक ऐप बंद करेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। कंपनी विंक म्यूजिक के सभी कर्मचारियों को समायोजित करेगी। एक सूत्र ने पीटीआई–को बताया, ''एयरटेल अगले कुछ महीनों में विंक म्यूजिक को बंद करने की योजना बना रही है। वह इसके सभी कर्मचारियों को कंपनी में समायोजित करेगी।'' संपर्क करने पर एयरटेल के प्रवक्ता ने इस फैसले की पुष्टि की। प्रवक्ता ने कहा, ''हम पुष्टि करते हैं कि विंक म्यूजिक को बंद कर दिया जाएगा और विंक म्यूजिक के सभी कर्मचारियों को एयरटेल समूह में शामिल कर लिया जाएगा। एयरटेल के उपयोगकर्ताओं को एप्पल म्यूजिक तक पहुंच मिलेगी।'' उन्होंने बताया कि विंक के प्रीमियम उपयोगकर्ताओं को एप्पल के लिए एयरटेल की ओर से विशेष पेशकश मिलेंगी। कंपनी ने आईफोन इस्तेमाल करने वाले अपने ग्राहकों को एप्पल म्यूजिक तक पहुंच देने के लिए एप्पल के साथ एक समझौता किया है।

निर्विरोध आईसीसी के अध्यक्ष चुने गए बीसीसीआई सचिव जय शाह, एक दिसंबर से संभालेंगे पद

दुबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अगले अध्यक्ष चुने गए हैं। अक्टूबर 2019 से बीसीसीआई का कामकाज संभाल रहे जय शाह एक दिसंबर 2024 से आईसीसी चेयरमैन का पद संभालेंगे। मौजूदा अध्यक्ष ग्रेग बार्कले का कार्यकाल 30 नवंबर को समाप्त हो रहा है और इस पद के लिए नामांकन करने की अंतिम तिथि 27 अगस्त थी। शाह को अब बीसीसीआई सचिव का पद छोड़ना होगा। बोर्ड की आमसभा की बैठक अगले महीने या अक्तूबर में होगी।

आईसीसी बोर्ड में सबसे प्रभावशाली चेहरा हैं जय शाह

आईसीसी के अनुसार, जय शाह एकमात्र उम्मीदवार थे जिन्होंने इस पद के लिए नामांकन भरा था और उन्हें निर्विरोध अगला अध्यक्ष चुना गया है। बार्कले ने 30 नवंबर को अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद तीसरे कार्यकाल की दौड़ से खुद को अलग कर लिया था जिससे खेल की वैश्विक संचालन संस्था में जय शाह के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। शाह को आईसीसी के बोर्ड में सबसे प्रभावशाली चेहरों में से एक माना जाता है। वह वर्तमान में आईसीसी की शक्तिशाली वित्त और वाणिज्यिक मामलों की उप समिति के प्रमुख का संभाल रहे थे। विश्व क्रिकेट के सबसे अमीर बोर्ड के सबसे दमदार व्यक्ति शाह का चयन तभी तय हो गया था जब उन्होंने उम्मीदवारी पेश की थी। भारतीय बोर्ड आईसीसी के राजस्व में 75 प्रतिशत से अधिक योगदान देता है। समझा जाता है कि एसईएनए क्रिकेट बोर्ड (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया) में से एक ने शाह के नाम का प्रस्ताव रखा और एक ने अनुमोदन किया।

'हमारा लक्ष्य क्रिकेट को और भी प्रसिद्ध बनाना है'

आईसीसी अध्यक्ष पद पर चुने जाने के बाद जय शाह ने क्रिकेट की वैश्विक पहुंच और लोकप्रियता को आगे बढ़ाने का इरादा व्यक्त किया। आईसीसी के बयान के अनुसार, शाह ने कहा, आईसीसी अध्यक्ष पद पर चुने जाने से मैं अभिभूत हूं। मैं वैश्विक क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए आईसीसी टीम और हमारे सदस्य देशों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। हम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं जहां कई प्रारूपों के सह–अस्तित्व को संतुलित करना, नई तकनीक को अपनाने को बढ़ावा देना और हमारे प्रमुख कार्यक्रमों को नए वैश्विक बाजारों में पेश करना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। हमारा लक्ष्य क्रिकेट को और भी प्रसिद्ध बनाना है। उन्होंने कहा, हमने काफी सीख ली है, लेकिन हमें और भी विचार करने की जरूरत है जिससे क्रिकेट को दुनियाभर में और पसंद किया जाए। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में क्रिकेट को शामिल करना इस बात को दर्शाता है कि क्रिकेट का विकास हो रहा है। मुझे विश्वास है कि यह खेल को अभूतपूर्व तरीके से आगे बढ़ाएगा। आईसीसी चेयरमैन दो–दो साल के तीन कार्यकाल के लिए पात्र होता है और न्यूजीलैंड के बार्कले ने अब तक चार साल पूरे कर लिए हैं। आईसीसी के नियमों के अनुसार चेयरमैन के चुनाव में 16 वोट होते हैं और अब विजेता के लिए नौ मत का साधारण बहुमत (51:) आवश्यक है। आईसीसी के संविधान के तहत कुल 17 वोट पड़ते हैं जिनमें से 12 पूर्णकालिक टेस्ट देशों के, चेयरमैन, उप चेयरमैन, दो सहयोगी सदस्यों के प्रतिनिधि और एक स्वतंत्र महिला निदेशक के वोट हैं। इससे पहले चेयरमैन बनने के लिए निवर्तमान के पास दो–तिहाई बहुमत होना आवश्यक था। हालांकि, जय शाह के अलावा किसी अन्य ने नामांकन दाखिल नहीं किया था इसलिए चुनाव कराने की जरूरत ही नहीं पड़ी।

आईसीसी अध्यक्ष बनने वाले पांचवें भारतीय

जय शाह इसके साथ ही आईसीसी अध्यक्ष बनने वाले पांचवें भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर ऐसे भारतीय हैं जिन्होंने अतीत में आईसीसी का नेतृत्व किया है।

शाह के लिए आईसीसी चेयरमैन बनने का इससे उम्दा समय नहीं हो सकता था क्योंकि उन्हें 2025 से 2028 तक अनिवार्य कूलिंग आफ पीरियड से गुजरना है। बीसीसीआई के संविधान के तहत पदाधिकारी लगातार 18 साल तक पद पर रह सकते हें जिनमें से नौ राष्ट्रीय बोर्ड और नौ प्रदेश ईकाई के साथ होंगे। लेकिन लगातार कोई व्यक्ति छह साल तक ही पद पर रह सकता है जिसके बाद तीन साल विश्राम लेना होगा। शाह लगातार दो बार आईसीसी चेयरमैन बन सकते हैं और इसके बाद बीसीसीआई में 2028 में आकर अध्यक्ष भी बन सकते हैं।

पाकिस्तान में चौंपियंस ट्रॉफी कराना चुनौती

शाह के सामने फौरी तौर पर आईसीसी में चुनौती पाकिस्तान में चौम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन है। शाह एशियाई क्रिकेट परिषद के चेयरमैन के तौर पर 2023 एशिया कप वनडे टूर्नामेंट में हाइब्रिड मॉडल के पुरजोर समर्थक थे जो पाकिस्तान और श्रीलंका की सह मेजबानी में हुआ था। अब देखना यह है कि आईसीसी चेयरमैन के तौर पर वह इस स्थिति से कैसे निपटते हैं क्योंकि भारत सरकार टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति शायद नहीं देगी। समझा जाता है कि चौंपियंस ट्रॉफी में भी हाइब्रिड मॉडल अपनाया जा सकता है जिसमें पाकिस्तान अपने मैच देश में और भारत के खिलाफ दुबई में खेलेगा।

बर्बादी की राह पर पाक क्रिकेट! बांग्लादेश से हार के बाद इमरान खान का पीसीबी पर निशाना

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और विश्व विजेता पूर्व कप्तान इमरान खान ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर जमकर निशाना साधा है। पाकिस्तान क्रिकेट इन दिनों कई संकटों से जूझ रहा है। बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान को मिली हार के बाद पूर्व खिलाड़ी इमरान खान ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए उनकी आलोचना की है। वर्तमान में भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में सजा काट रहे इमरान खान ने पीसीबी पर जमकर आरोप लगाए है। पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को लेकर उन्होंने टिप्पणी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बोर्ड के मौजूदा नेता देश में क्रिकेट को बर्बाद कर रहे हैं। बता दें कि वर्तमान में पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी हैं। पाक के पूर्व पीएम ने सोशल मीडिया पर कहा कि क्रिकेट एकमात्र ऐसा खेल है जिसे हर व्यक्ति टीवी पर देखना पसंद करता है।

इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज डेविड मलान ने लिया संन्यास, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

इंग्लैंड टीम के ओपनिंग बल्लेबाज डेविड मलान ने 37 साल की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। इसका ऐलान उन्होंने बुधवार को किया, उन्होंने 2023 नवंबर में आखिरी मैच इंग्लैंड के लिए खेला था। उन्होंने अपने संन्यास का ऐलान करते हुए कहा कि उन्हें हमेशा एक चीज का मलाल रहेगा कि वह टेस्ट क्रिकेट में लगातार बहुत अच्छा नहीं कर पाए, जबकि टेस्ट क्रिकेट ही उनकी पहली प्राथमिकता रहा था।

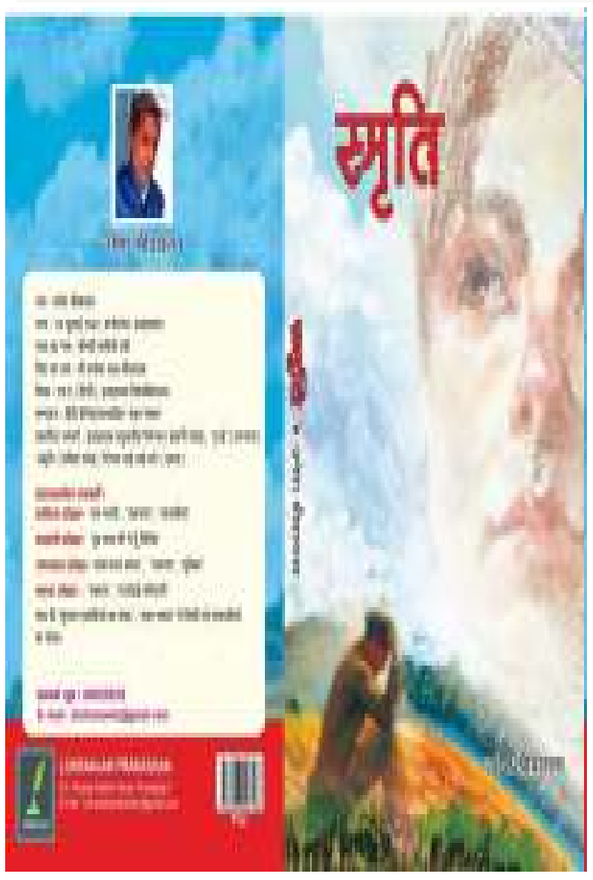

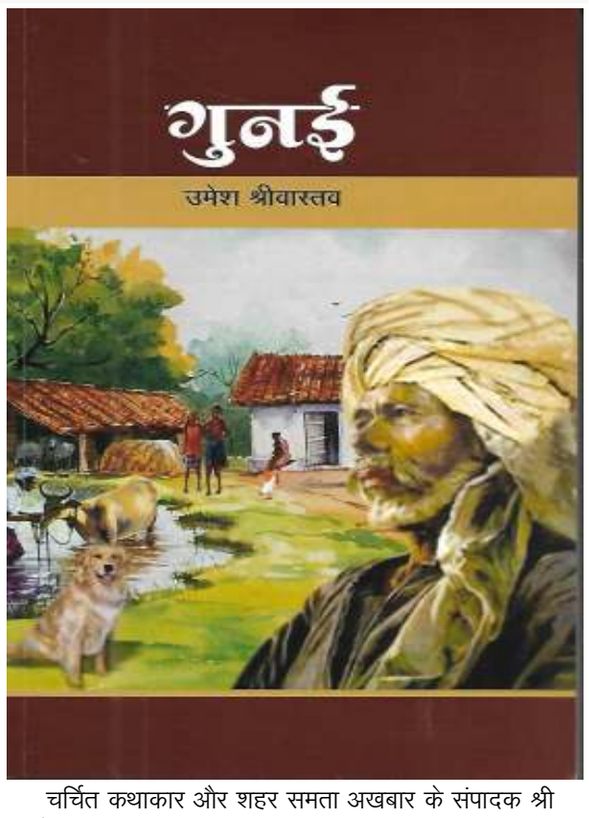

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

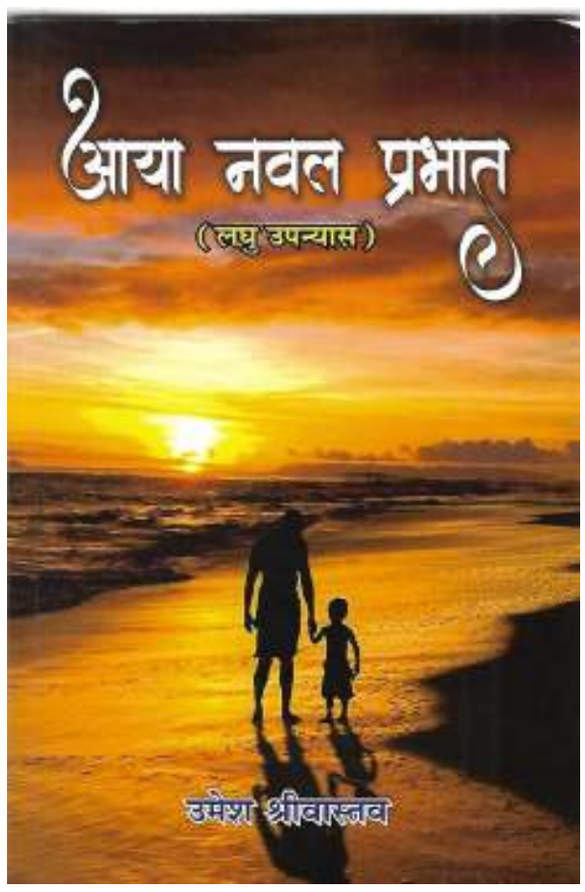

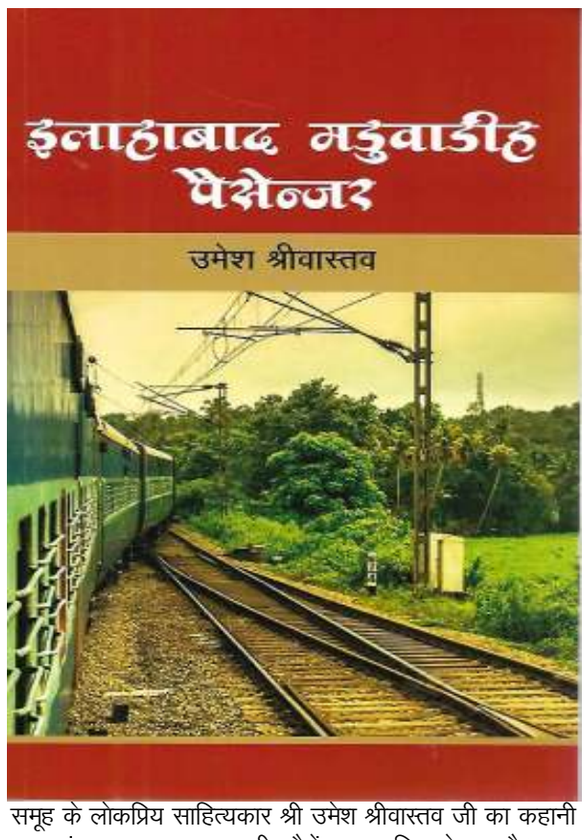

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

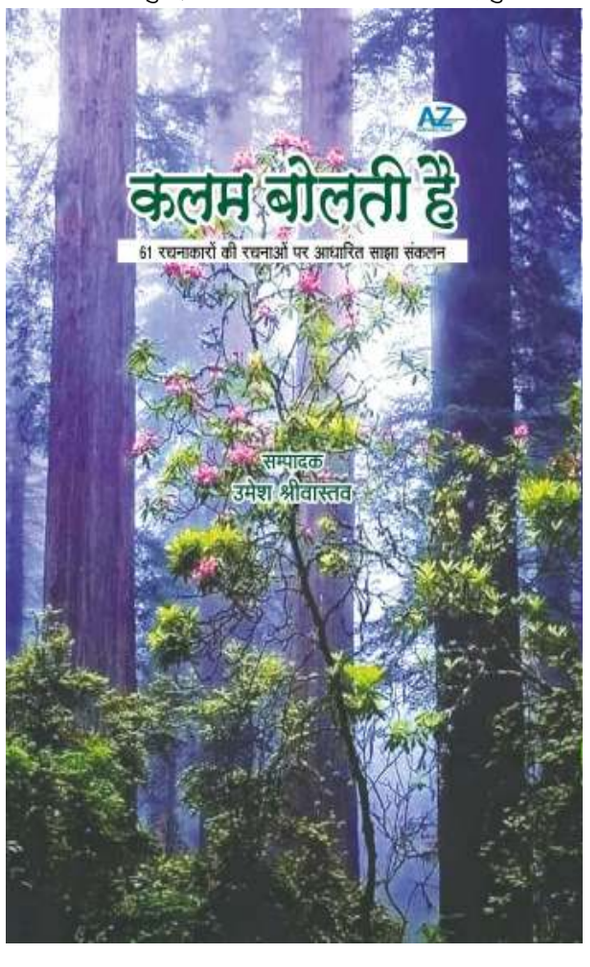

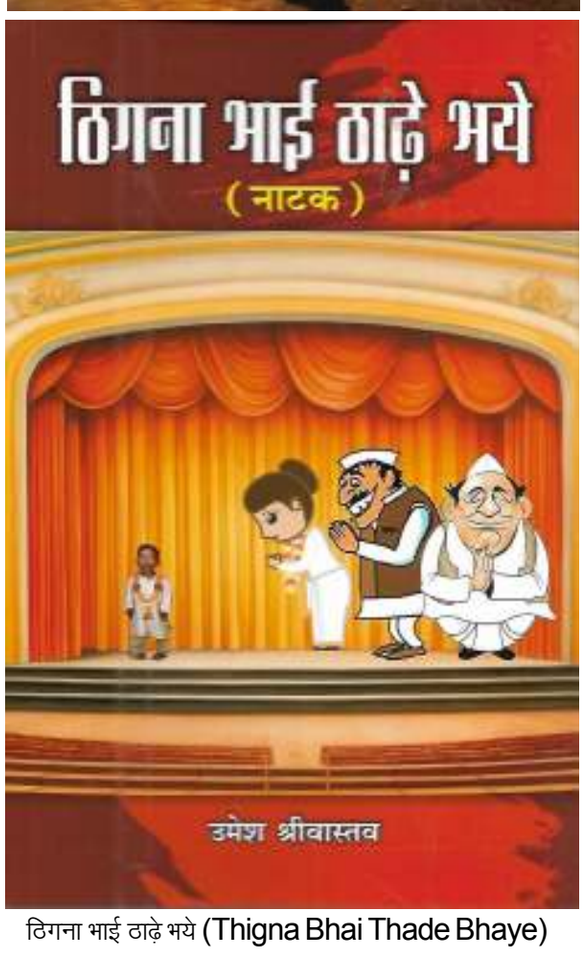

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

राष्ट्रपति चुनाव से पहले बढ़ सकती हैं डोनॉल्ड ट्रंप की मुश्किलें, सुप्रीम कोर्ट में अमेरिकी सरकार ने नया अभियोग किया दायर

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को एक संशोधित संघीय अभियोग का सामना करना पड़ा, जिसमें उन पर अवैध तरीकों से 2020 के चुनाव में अपनी हार को पलटने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया। हालांकि आरोप, उनके खिलाफ पहले लगाए गए आरोपों के समान हैं, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के जवाब में कम कर दिए गए हैं, जो पूर्व राष्ट्रपतियों को पद पर रहते हुए किए गए कार्यों के लिए आपराधिक मुकदमा चलाने से व्यापक छूट देता है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने तीन के मुकाबले छह के बहुमत से फैसला सुनाया था

कि इस संबंध में आरोपों से ट्रंप को पूरी तरह छूट प्राप्त है। उच्चतम न्यायालय ने अभियोजकों और बचाव पक्ष के वकीलों को यह बताने को कहा था कि 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के आधिकारिक कृत्यों को लेकर पूर्व राष्ट्रपतियों को अभियोजन से संभावित छूट संबंधी उसके फैसले के बाद वे मामले में कैसे आगे बढ़ना चाहते हैं। यह बताने के लिए दी गई समयसीमा से तीन दिन पहले विशेष वकील जैक स्मिथ ने नए सिरे से अभियोग दायर किया। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर साझा किए बयान में नए अभियोग को ''हताशा में उठाया गया कदम'' बताया और कहा कि यह अभियोग उन्हें निशाना बनाने की एक और कोशिश है। उन्होंने कहा कि नए अभियोग में भी ''वे सभी समस्याएं हैं जो पुराने अभियोग में थीं और इसे तुरंत खारिज कर दिया जाना चाहिए।

व्हाइट हाउस ने महामारी के दौरान कुछ कोविड-19 सामग्री को लेकर फेसबुक पर दबाव डाला : जुकरबर्ग

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा किबाइडन प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने महामारी के दौरान फेसबुक पर कोविड-19 से जुड़ी कुछ सामग्री को "सेंसर" करने के लिए दबाव डाला। उन्होंने कहा कि यदि सोशल मीडिया कंपनी को फिर से ऐसी मांगों का सामना करना पड़ा तो वह इसका विरोध करेगी। सदन की न्यायापालिका से जुड़ी समिति के रिपब्लिकन अध्यक्ष, प्रतिनिधि जिम जॉर्डन को लिखे एक पत्र में जकरबर्ग ने आरोप लगाया कि व्हाइट हाउस के अफसरों समेत अधिकारियों ने फेसबुक पर कई महीनों तक "हास्य और व्यंग्य सहित कुछ कोविड-19 सामग्री" को हटाने के लिए बार-बार दबाव डाला। उन्होंने पत्र में कहा कि जब कंपनी सहमत नहीं हुई तो अधिकारियों ने "काफी निराशा व्यक्त की"। जुकरबर्ग ने 26 अगस्त को लिखे पत्र में कहा, "मेरा मानना घ्छै कि सरकार का दबाव गलत था और मुझे खेद है कि हम इस बारे में अधिक मुखर नहीं थे।" यह पत्र समिति के फेसबुक पेज और 'एक्स' पर उसके अकाउंट पर पोस्ट किया गया।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हुए घातक हमलों के पीछे क्या वजह है? बलूच लिबरेशन आर्मी क्यों हो रही है

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत से यात्रा कर रहे लगभग दो दर्जन नागरिकों को उनके वाहनों से खींचकर हथियारबंद बंदूकधारियों ने गोली मार दी, जबकि देश के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में रविवार रात और सोमवार सुबह कम से कम छह घातक हमले हुए। इन हमलों में कम से कम 74 लोग मारे गए, जिससे बलूचिस्तान में भी हिंसा में वृद्धि हुई, एक ऐसा क्षेत्र जहां दशकों से सशस्त्र अलगाववादी आंदोलन चल रहा है, जिसका मतलब है लड़ाकों और सुरक्षा बलों के बीच अक्सर झड़पें होती रहती हैं। अलगाववादी समूह बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए), जिसने नवीनतम हमलों की जिम्मेदारी ली है, ने एक बयान में कहा कि उसने सुरक्षा बलों को निशाना बनाया और पूरे प्रांत में राजमार्गों पर नियंत्रण कर लिया। सबसे घातक हमला मुसाखेल जिले के राराशम इलाके में हुआ, जो बलूचिस्तान और पंजाब की सीमा के पास स्थित है। पुलिस के अनुसार, कम से कम 23 लोगों को उनके वाहनों से बाहर निकाला गया और पंजाबी प्रवासी श्रमिकों के रूप में उनकी पहचान स्थापित होने के बाद उन्हें मार दिया गया। प्रांतीय राजधानी क्वेटा से 140 किमी (87 मील) दक्षिण में कलात जिले में, सशस्त्र लड़ाकों ने कानून प्रवर्तन कर्मियों को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 10 लोग मारे गए। क्वेटा के दक्षिण-पूर्व में बोलन जिले में, रात भर में छह लोग मारे गए, जिनमें पंजाब के चार लोग शामिल थे। पाकिस्तानी सेना ने अपने बयान में कहा कि हमलों के दौरान अन्य पांच सुरक्षाकर्मी – कुल 14 – मारे गए। सेना ने कहा कि सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की और 21 आतंकवादियों को मार गिराया।

बलूचिस्तान में पाकिस्तान के लिए चेतावनी

जातीय बलूच का आरोप है कि पाकिस्तानी राज्य ने उनके समुदाय की उपेक्षा की है और प्रांत के खनिज संसाधनों का दोहन किया है। इस गुस्से ने अलगाववादी भावनाओं को हवा दी, 1947 में पाकिस्तान के गठन के बाद से प्रांत में कम से कम पाँच विद्रोही आंदोलन हुए हैं। विद्रोह की नवीनतम लहर 2000 के दशक की शुरुआत में प्रांत के संसाधनों के बड़े हिस्से की मांग करने और यहाँ तक कि पूर्ण स्वतंत्रता की माँग करने के लिए शुरू हुई। तब से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने विद्रोह पर कड़ी कार्रवाई शुरू की है, जिसमें पिछले दो दशकों में हज़ारों लोग मारे गए हैं। ग्वादर, अपनी आर्थिक प्रमुखता के कारण, सशस्त्र और अलगाववादी समूहों द्वारा हिंसा का केंद्र रहा है, सबसे ताज़ा घटना इस साल मार्च में हुई थी, जब आठ लोगों ने ग्वादर पोर्ट अथॉरिटी परिसर में घुसने की कोशिश की थी, इससे पहले कि सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें मार डाला।

गिरफ़्तारियाँ और नाकेबंदी

रविवार को, BYC ने ग्वादर में "बलूच राजी मुची" या बलूच राष्ट्रीय सभा का आह्वान किया। हालाँकि, जब विशाल प्रांत के विभिन्न हिस्सों से काफिले शहर

की ओर बढ़े, तो कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने वहाँ जाने वाले प्रमुख राजमार्गों को अवरुद्ध करना शुरू कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप कुछ स्थानों पर झड़पें हुईं। ठल्ब का दावा है कि शनिवार को मस्तुंग जिले में ऐसी ही एक झड़प के दौरान सुरक्षा बलों ने गोलीबारी की, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। ठल्ब के प्रतिनिधि बेबर्ग बलूच ने अल जजीरा को बताया, "अर्धसैनिक बल ने महिलाओं और बच्चों सहित सैकड़ों लोगों के काफिले पर गोलीबारी की, जो क्वेटा से ग्वादर की यात्रा कर रहे थे।" सोमवार को एक बयान में, पाकिस्तानी सेना ने कहा कि हिंसक भीड़ द्वारा किए गए अकारण हमलों में उसके एक सैनिक की भी मौत हो गई और 16 अन्य सैनिक घायल हो गए। बुधवार को लगातार पांचवें दिन ग्वादर में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं बंद रहने के कारण झड़पों के दौरान सुरक्षा बलों ने दर्जनों बलूच लोगों को गिरफ्तार किया। बीवाईसी ने कहा कि उनके दो प्रमुख नेताओं, सम्मी दीन बलूच और सबीहा बलूच को सोमवार को ग्वादर में अधिकारियों ने हिरासत में लिया और उनके ठिकाने का पता नहीं चल पाया है। गुस्साए प्रदर्शनकारी प्रांत के अन्य शहरों में भी इकट्ठा हुए, जिनमें प्रांतीय राजधानी क्वेटा, केच और मस्तुंग शामिल हैं, और उनकी रिहाई की मांग की।

वहां पाकिस्तान इमरान खान को सत्ता से हटाए रखने में लगा, यहां बलूचिस्तान चलने लगा

शायद पाकिस्तान के शासक वर्ग, जिसमें उसकी सेना भी शामिल है, को एक-दूसरे के साथ अपने स्वयं के द्वारा किए गए द्वेषपूर्ण संघर्षों के बजाय आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगी। नागरिक सरकार के अत्यधिक अधीनता के बाद, पाकिस्तान की सेना विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने में अधिक व्यस्त दिखाई देती है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उसे फिर से चुनौती देने का कोई अवसर न मिले। आश्चर्य की बात नहीं है कि बलूचिस्तान में अपनी विशाल उपस्थिति के बावजूद, यह हमलों से पूरी तरह से आश्चर्यचकित है, जिसकी जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली है, जो एक जातीय बलूच राष्ट्रवादी विद्रोह है, जिसे पाकिस्तान ने आतंकवादी संगठन के रूप में प्रतिबंधित कर दिया है। बीएलए की जड़ें वामपंथी गुरिल्ला समूहों द्वारा बलूचिस्तान पर नियंत्रण के लिए 1970 के दशक के सशस्त्र संघर्ष से जुड़ी हैं, जिसे पाकिस्तान की सेना ने बेरहमी से कुचल दिया था। 2000 के दशक के प्रारम्भ तक यह निष्क्रिय था, लेकिन 2006 में सेना द्वारा बलूच नेता अकबर खान बुगती की हत्या के बाद से यह पाकिस्तानी पंजाबी-प्रभुत्व वाली सत्ता के विरुद्ध कम तीव्रता वाला युद्ध लड़ रहा है।

चीन ने बलूचिस्तान प्रांत में हुए आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की

चीन ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हाल ही में हुए आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की है, जिसके परिणामस्वरूप 37 लोगों की मौत हो गई। चीनी सरकार ने पाकिस्तान के आतंकवाद विरोधी प्रयासों के लिए निरंतर समर्थन का वचन दिया है। मंगलवार को एक बयान में, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बलूच बंदूकधारियों द्वारा किए गए हमलों की निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ चीन के दृढ़ रुख पर जोर दिया। लिन ने पाकिस्तान के आतंकवाद विरोधी अभियानों में समर्थन करने, सामाजिक स्थिरता बनाए रखने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चीन की प्रतिबद्धता दोहराई। लिन ने कहा, ष्चीन क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को संयुक्त रूप से बनाए रखने के लिए पाकिस्तान के साथ आतंकवाद विरोधी और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार है।ष बलूचिस्तान में हिंसक घटनाएं तब हुईं जब एक शीर्ष चीनी सैन्य अधिकारी जनरल ली किओमिंग चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (ब्म्ब्) की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए सुरक्षा आकलन के लिए पाकिस्तान में थे। ब्म्ब्, एक 60 बिलियन डॉलर की बहु-परियोजना पहल है, जिसे बलूच आतंकवादियों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने चीनी कर्मियों पर हमलों सहित गलियारे को बार-बार निशाना बनाया है।

बाइडन के सलाहकार ने इजराइल-हमास वार्ता पर चर्चा के लिए कतर के नेताओं से मुलाकात की

अमेरिका के राष्ट्रपति जो. बाइडन के पश्चिम एशिया मामलों के सलाहकार ने मंगलवार को दोहा में कतर के वरिष्ठ नेताओं के साथ मुलाकात कर इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम समझौते से जुड़े प्रयासों और कतर के प्रधानमंत्री की ईरान के राष्ट्रपति के साथ हुई बैठक पर चर्चा की। अमेरिका के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के वरिष्ठ सलाहकार ब्रेट मैकगर्क की कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी और विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी के साथ सोमवार को वार्ता हुई। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने सोमवार को तेहरान की यात्रा कर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से मुलाकात की थी। यह वार्ता

ऐसे समय में हो रही है जब इजराइल और हमास के बीच युद्ध विराम समझौता करने के प्रयासों के तहत काहिरा में कई दिनों तक चली वार्ता इस सप्ताह दोहा में स्थानांतरित हो रही है। उच्च स्तरीय वार्ता का दौर रविवार को बिना किसी अंतिम समझौते के समाप्त हो गया लेकिन सोमवार को निचले स्तर पर वार्ता जारी रही। अब बुधवार को दोहा में फिर से कार्य-समूह स्तर की वार्ता शुरू होने की उम्मीद है। यह स्पष्ट नहीं है कि वार्ता स्थल को स्थानांतरित क्यों किया गया और इसका वार्ता पर कोई प्रभाव पड़ेगा या नहीं। इजराइल के एक अधिकारी ने नाम ना बताने की शर्त पर कहा कि एक इजराइली प्रतिनिधिमंडल बुधवार को दोहा जाएगा। एक अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, मैकगर्क ने कतर के अधिकारियों से मुलाकात कर युद्ध विराम समझौते पर बात की। इजराइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ रहा है। ईरान ने पिछले महीने हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हनिया की ईरान में हत्या के लिए इजराइल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का संकल्प लिया था।

कुआलालंपुर छुट्टी मनाने गई भारतीय महिला गड्ढे में समाई, कई दिनों से तलाश जारी

कुआलालंपुर। मलयेशिया की राजधानी कुआलालंपुर घूमने गई एक भारतीय महिला के लिए यह छुट्टियां जानलेवा साबित हुईं। दरअसल कुआलालंपुर में घूमते हुए महिला सड़क में बने एक गड्ढे में गिर गई। महिला को तुरंत बचाने की कोशिश की गई, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। अब घटना को कई दिन बीत गए हैं, लेकिन अभी तक महिला को नहीं ढूंढा जा सका है। स्थिति ये है कि मलयेशिया की सरकार के कई विभाग और विशेषज्ञ महिला की तलाश में जुटे हैं, लेकिन काफी कोशिशों के बाद भी अभी तक सफलता नहीं मिली है।

परिवार के साथ घूमने के दौरान गड्ढे में गिरी महिला

गड्ढे में गिरी भारतीय महिला की पहचान विजय लक्ष्मी गली (48 वर्षीय) के रूप में हुई है। विजय लक्ष्मी कुआलालंपुर घूमने गई थी। बीती 23 अगस्त को जब वह अपने परिवार के साथ कुआलालंपुर स्थित एक मंदिर मेंनाश्ता करने जा रहीं थी, तभी फुटपाथ की एक सड़क अचानक से धंस गई। जिससे विजय लक्ष्मी उस गड्ढे में गिर गईं। कई दिन बीत जाने के बाद भी विजय लक्ष्मी का कुछ पता नहीं चल सका है। कुआलालंपुर पुलिस, स्थानीय प्रशासन, अग्निशमन विभाग, कई केंद्रीय एजेंसियां और नागरिक सुरक्षा बल की टीमें महिला की तलाश में जुटी हैं। इस दौरान आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञों की भी मदद ली जा रही है।

अमेरिका और चीन के बीच बीजिंग में वार्ता, टकराव से बचने के तरीकों पर विचार विमर्श

बीजिंग। व्हाइट हाउस के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि अमेरिका और चीन यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहे हैं कि उनके बीच प्रतिस्पर्धा टकराव में तब्दील न हो। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन वरिष्ठ विदेश नीति अधिकारी वांग यी के साथ दो दिनों से बैठक कर रहे हैं। सुलिवन ने वार्ता शुरू होने से पहले मीडिया को दिए संक्षिप्त बयान में कहा,''राष्ट्रपति बाइडन ने राष्ट्रपति शी के साथ अपनी बातचीत में यह स्पष्ट किया कि वह इस अहम संबंध को जिम्मेदारी से संभालने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' सुलिवन बृहस्पतिवार तक चीन में रहेंगे और इस यात्रा का उद्देश्य एक ऐसे रिश्ते में संवाद को बनाए रखने की कोशिश करना है जो 2022-23 में एक साल के अधिक समय के लिए टूट गया था और जिसे कुछ महीने पहले ही बहाल किया जा सका। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को बीजिंग पहुंचे। राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान अमेरिका के लिए चीन से संबध चुनौतीपूर्ण रहे हैं। बीजिंग हवाई अड्डे पहुंचने के बाद सुलिवन की चीन के विदेश मंत्रालय में उत्तरी अमेरिका और प्रशांत क्षेत्र मामलों के प्रमुख यांग ताओ ने अगवानी की। इस मौके पर चीन में अमेरिका के राजदूत निकोलस बर्न भी मौजूद थे। सुलिवन चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के शीर्ष विदेश अधिकारी से अघोषित बातचीत के लिए बाइडन के सबसे विश्वसनीय अधिकारी रहे हैं है ताकि अमेरिका और बीजिंग के बीच संबंधों में आए तनाव को कम किया जा सके।

ढाका की झील में मिला महिला पत्रकार का शव

ढाका। बांग्लादेश में ढाका की एक झील में 32 वर्षीय महिला टीवी पत्रकार का शव मिला। मृतक की पहचान सारा रहनुमा के तौर पर की गई है। उनका शव ढाका के हातिरझील झील में तैरता हुआ पाया गया। ढाका मेडिकल कॉलेज-अस्पताल (डीएमसीएच) पुलिस आउटपोस्ट के प्रभारी इंस्पेक्टर बच्चू मिया ने झील से शव मिलने की पुष्टि की। राहगीरों ने शव को झील से बाहर निकाला और उसे डीएमसीएच ले जाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि महिला की मौत रात के दो बजे ही हो गई थी। सारा ने मरने से पहले अपने दोस्त के लिए एक सोशी मीडिया पर पोस्ट भी लिखा था। मृतक के पति ने बताया कि उनका जल्द तलाक होने वाला था। सारा रहनुमा के शव को अस्पताल में पहुंचाने वाले सागर ने मीडिया से बात की।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

J.D. Pharma
जे.डी. फार्मा
आपका अपना प्रतिष्ठित एवं विश्वसनीय अंग्रेजी और आयुर्वेदिक दवाओं के फुटकर एवं थोक विक्रेता
प्रो.-प्रदीप शुक्ला
झूंसी पुलिया के पास, झूंसी प्रयागराज
मो.-8726413990, 9451484717

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

J.D. Pharma
जे.डी. फार्मा
अंग्रेजी और आयुर्वेदिक दवाओं के थोक विक्रेता
8726413990, 9451484717

कनक हॉस्पिटल
24 घंटे
एम्बुलेन्स सुविधा
ICU NICU OT/C-arm
08090876928
08737991021
0532-2971697
511, चेतनपुरी कालोनी, कोहना, झूँसी (निकट क्रिया रोग संस्थान), प्रयागराज (उ.प्र.)

KAMLA HOSPITAL
झूंसी कोहना, निकट शास्त्री ब्रिज, प्रयागराज
डॉ० सुनील विश्वकर्मा
जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
24/7
Contact :- 0532-2971619, 8840346602

दाँत का अस्पताल
जे.पी. मेमोरियल डेन्टल क्लीनिक
डा. ए.के. वर्मा
B.D.S, MIDA
(मुख एवं दन्त रोग विशेषज्ञ)
डा. एस.के. वर्मा
(दन्त चिकित्सक)
समय : सुबह 10.00 बजे से रात्रि 9.00 तक
Mob.: 9415831236, 9335524400